दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-168, भोपाल, सोमवार 02 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"अंधकार से अंधकार को दूर नहीं किया जा सकता है, केवल प्रकाश से ही ऐसा किया जा सकता है। नफरत से नफरत को नहीं हटाया जा सकता है, केवल प्यार से ही ऐसा किया जा सकता है।"
- मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

कुलगाम में लश्कर का हायब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू। रविवार को भारतीय सेना की 34 आरआर यूनिट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकवादी को कश्मीर के कुलगाम से गिरफ्तार किया है। कश्मीर पुलिस ने कहा कि आतंकवादी की पहचान कुलगाम के गडीहामा निवासी यामीन यूसुफ भट के रूप में हुई है। यामीन के पास से एक पिस्तौल, दो ग्रेनेड और 51 पिस्टल राउंड सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि एक हाइब्रिड आतंकवादी उसे दिए गए काम को पूरा करता है और फिर अगले टास्क के इंतजार में सामान्य जीवन जीने लगता है।

बीरभूम हत्याकांडः एक और पीड़िता की मौत, मरने वालों की संख्या 10 पहुंची

बीरभूम। बंगाल के बीरभूम हत्याकांड मामले में एक और पीड़िता ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। मृतका की पहचान अतहारा बीबी के रूप में हुई है। उनका रामपुरहाट अस्पताल में इलाज चल रहा था। अतहारा बीबी को पिछले शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन कल रात उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें फिर से भर्ती कराया गया था। रविवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। 21 मार्च को बीरभूम के बोगतुई गांव में टीएमसी नेता भादु शेख की हत्या के बाद कई घरों को आग लगा दी गई थी।

संगीता सिंह बनी सीबीडीटी की कार्यकारी अध्यक्ष

नईदिल्ली। सीबीडीटी की सदस्य संगीता सिंह को सीबीडीटी का अध्यक्ष बनाया गया है। सरकार का कहना है कि उन्हें इस पद का अतिरिक्त प्रभार आगामी तीन महीने तक या एक नियमित अध्यक्ष नियुक्त होने तक दिया गया है।

विनय क्वात्रा ने संभाला कार्यभार, देश के 34वें विदेश सचिव बने

नईदिल्ली। विनय मोहन क्वात्रा ने आज भारत के 34वें विदेश सचिव के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। क्वात्रा ने साल 1998 बैच के आईएफएस ऑफिसर हर्षवर्धन श्रृंगला की जगह ली है, जो शनिवार को रिटायर हो गए। विदेश सचिव बनने से पहले क्वात्रा नेपाल में भारत के राजदूत थे।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया में त्रिदेव मंडल प्रशिक्षण कार्यशाला में हुए शामिल, कार्यकर्ताओं से विचार किए साझा

दतिया। रविवार को मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया पहुंचे। यहां वे गायत्री गार्डन में आयोजित त्रिदेव मंडल प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उदगवां मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पार्टी के प्रचार-प्रसार और संगठन को मजबूत करने पर विचार साझा किए। इससे पहले डॉ. मिश्रा दतिया दिवस के आयोजन के संबंध में पीतांबरा शक्तिपीठ परिसर में आयोजन समिति के साथ बैठक में शामिल हुए और मां पीतांबरा की शोभायात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही श्री मिश्रा के दतिया निवास पर नागरिकों से मुलकात कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को यथासंभव निराकरण के निर्देश दिए।

मिसिसिपी में फूड फेस्टिवल में फायरिंग

अमेरिका में मई दिवस के जश्न के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी में एक की मौत, 5 घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी शहर में एक फूड फेस्टिवल के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह फेस्टिवल 27 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाला था। मिसिसिपी में फायरिंग के तुरंत बाद लोकल पुलिस पहुंची और उसने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनसे पूछताछ की जा रही है। ऑफिसर टाइरी जोन्स ने बताया कि यह घटना उस वक्त घटी, जब लोग 1 मई की खुशी में वहां जश्न मना रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि इस घटना में कई अपराधी संलिप्त थे, जिसकी जांच हो रही है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 102 रुपए महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। महीने के पहले दिन यानी 1 मई को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एक्स सिलेंडर की कीमत 102 रुपए महंगी हो गई है। राजधानी दिल्ली में अब नए सिलेंडर की कीमत 2355 रुपए होगी। हालांकि, घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। इससे पहले कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 1 अप्रैल को बढ़े थे। तक इसकी कीमत में 250 रुपए का इजाफा किया गया था।

19 किग्रा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमतें: इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार 19 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर आज राजधानी दिल्ली खरीदने पर आपको 2355.50 रुपए देने होंगे। 30 अप्रैल तक इसकी कीमत 2253 रुपए थी। वहीं, कोलकाता में पहले 2351 रुपए में मिल रहा था अब 2455 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। मुंबई में 2205 रुपए की जगह आज से 2307 रुपए देने होंगे। वहीं तमिलनाडु के चेन्नई में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 2406 रुपए से बढ़कर अब 2508 रुपए हो गई है।

जेट फ्यूल भी महंगा

एक मई से जेट फ्यूल की कीमतों में भी इजाफा हुआ हे। दिल्ली में एयर टरबाइन फ्यूल की कीमत 116851.46 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं कोलकाता में इसके दाम 121430.48 हो गया। मुंबई की बात करें तो यहां पर 115617.24 रुपए और चेन्नई में 120728.03 रुपए प्रति लीटर है। हालांकि आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एलएसी पर स्थिति को लेकर सेना प्रमुख बोले, क्षेत्र के किसी भी नुकसान की नहीं देंगे अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख के एलएसी में भारतीय सेना ने यथास्थिति को बदलने के चीनी प्रयासों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने रविवार को स्पष्ट किया कि भारतीय सेना बल क्षेत्र के किसी भी नुकसान की अनुमति नहीं देगा। समाचार एजेंसी एएनआइ को दिए एक विशेष साक्षात्कार में नए भारतीय सेना प्रमुख ने कहा कि एलएसी पर स्थिति इस समय सामान्य है। यथास्थिति को बदलने के लिए हमारे विरोधी (चीन) द्वारा एकतरफा और भड़काऊ कार्रवाई से पर्याप्त रूप से निपटा गया है। सेना प्रमुख जनरल पांडे ने कहा कि पिछले दो सालों में हमने खतरे का आकलन किया है और अपने बलों को फिर से संगठित और पुनर्गठित किया है।

उन्होंने कहा कि जहां तक एलएसी की स्थिति का सवाल है, हमारे सैनिक यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत दृढ़ तरीके से वहां मौजूद हैं कि यथास्थिति में कोई बदलाव न हो। नए सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय सेना के जवान महत्वपूर्ण पदों पर तैनात हैं और इस सब में हम बहुत स्पष्ट हैं कि हम यथास्थिति में किसी भी बदलाव और क्षेत्र के किसी भी नुकसान की अनुमति नहीं देंगे।

जनरल पांडे ने कहा कि हमारा ध्यान बुनियादी ढांचे के विकास पर भी रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य एलएसी के साथ तनाव को कम करना और यथास्थिति की बहाली करना है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में चीनी आक्रमण के बाद भारत और चीन पिछले दो सालों से सैन्य गतिरोध की स्थिति में हैं, जिसके बाद दोनों पक्षों ने सीमा पर एक-दूसरे के विपरीत सैनिकों को तैनात किया है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- मेरी यूरोप यात्रा ऐसे समय हो रही, जब यह क्षेत्र कई चुनौतियों का कर रहे सामना

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस की अपनी यात्रा से पहले रविवार को कहा कि उनका यूरोप दौरा ऐसे समय हो रहा है जब यह क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और वह भारत के यूरोपीय साझेदारों के साथ सहयोग की भावना को मजबूत करना चाहते हैं। पीएम मोदी ने एक बयान में कहा कि वह जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्ज के निमंत्रण पर दो मई को बर्लिन पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह डेनमार्क के अपने समकक्ष मेटे फ्रेडरिकसेन के निमंत्रण पर 3-4 मई को कोपेनहेगन की यात्रा करेंगे और इस दौरान द्विपक्षीय वार्ता होगी तथा दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत लौटते समय, मैं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के लिए पेरिस, फ्रांस में कुछ समय के लिए रुकूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी यूरोप यात्रा ऐसे समय हो रही है जब यह क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। अपनी यात्रा के माध्यम से, मैं यूरोपीय भागीदारों के साथ सहयोग की भावना को मजबूत करना चाहता हूं।

हमें एक मौका दो, हम आपकी गरीबी दूर कर देंगे : केजरीवाल

भरूच, एजेंसी। गुजरात में आप आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भरूच में आदिवासी संकल्प महासम्मेलन में हिस्सा लिया। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि बीजपी और कांग्रेस पार्टी सिर्फ अमीरों को अमीर बना रही है, लेकिन मैं आपको कहता हूं कि हमें एक मौका दे दो हम आपकी गरीबी दूर कर देंगे। हम लोग आपके साथ खड़े हैं और हम गरीबों और आम लोगों की पार्टी है।गुजरात की बीजेपी सरकार ने पूरी दुनिया में पेपर लीक करने के मामले में विश्व रिकार्ड बनाया है। मैं भूपेंद्र पटेल को चुनौती देता हूं कि वो एक पेपर बिना लीक कराए हुए परीक्षा करा दें। केजरीवल ने कहा कि हमें एक मौका दे दो हमने अगर पांच साल में यहां के सभी स्कूल ठीक नहीं किए तो हमें यहां से भाग दीजिएगा। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के लोग मुझे बहुत प्यार करते हैं, आज मैं गुजरात के लोगों से प्यार मांगने आया हूं। मैं गुजरात के छह करोड़ लोगों के साथ दिल से दिल का रिश्ता बनाने आया हूं।

इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के दो सबसे अमीर आदमी गुजरात से आते हैं। देश के सबसे गरीब आदिवासी भी गुजरात से ही आते हैं।

उनके मुताबिक, कांग्रेस और भाजपा अमीरों के साथ खड़ी है। दोनों पार्टियां अमीरों को और अमीर बना रही हैं। आम आदमी पार्टी गरीबों के साथ खड़ी है। इस मौके पर केजरीवाल के कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी। इस बीच, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाटन में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ लंच किया। गौरतलब है गुजरात में इसी साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी सियासी दल अभी से सक्रिय हो गए हैं।

ग्रेटर नोएडा में कार ने 5 स्टूडेंट्स को रौंदा, एक की मौत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां 5 स्टूडेंट्स को बेकाबू कार ने रौंद दिया। इनमें से एक छात्र आयुष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 घायल हैं। इनमें से 2 की हालत गंभीर है। हादसे के शिकार स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के छात्र हैं। सभी देर रात करीब 11 बजे खाना खाकर हॉस्टल लौट रहे थे। हादसे के बाद कार ड्राइवर भाग गया।

हादसा रयान गोलचक्कर के पास शनिवार रात हुआ। पांचों स्टूडेंट्स ग्रुप में सड़क पार कर रहे थे। तभी सफेद रंग की बेकाबू कार ने उनको जोरदार टक्कर मारी। टक्कर से आगे चल रहा छात्र आयुष उछलकर कई फीट दूर जा गिरा। बाकी को रौंदते हुए कार तेज रफ्तार से भाग गई।

पुलिस ने बताया कि जहां हादसा हुआ, वह एरिया सुनसान था। ऐसे में टक्कर मारने के बाद कार ड्राइवर कार को भगा ले गया। आस-पास कोई था भी नहीं। ऐसे में काफी देर तक छात्र सड़क पर पड़े तड़पते रहे। कुछ देर बाद उसी रोड से एक बाइक सवार निकला। उसने सड़क पर बेहोश और दर्द से कराहते छात्रों को देखा। अंधेरा होने के कारण उसे कुछ समझ नहीं आया। वह वहां से निकल गया। आगे कुछ दूरी पर चौकी इंचार्ज केदार सिंह टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। बाइक सवार युवक ने केदार सिंह को बताया कि पीछे एक्सीडेंट हो गया है। कई छात्र-छात्राएं सड़क पर बेहोश पड़े हुए हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

सबसे पहले आयुष को कैलाश हॉस्पिटल लेकर गए। इसके बाद अन्य स्टूडेंट्स अंजलि यादव (एमबीए, जीएल बजाज), आदित्य (एमबीए, जीएल बजाज), ईशा (एमबीए, हाईटेक बिजनेस स्कूल) और वैष्णवी (बीटेक यूनिटेक कॉलेज) को अस्पताल पहुंचाया गया।

कृषि वैज्ञानिकों ने श्रमिकों संग बनाई बासी पार्टी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में श्रमिक दिवस के मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी कर्मचारियों ने श्रमिकों के साथ मिलकर बासी पार्टी मनाई है। डाइनिंग टेबल में श्रमिकों के साथ बैठ कर बोरे बासी खाया।

सभी ने बस्तर की प्रसिद्ध चापड़ा चटनी (लाल चीटियों से बनी चटनी) का भी स्वाद लिया। केवीके के अफसरों ने कहा कि, अब जिले में जितने भी कार्यक्रम किए जाएंगे उनमें नाश्ता के साथ बासी भी परोसेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ नारायण साहू ने कहा कि बोरे बासी केवल श्रमिकों का खाना नहीं है। यह हर वर्ग के लोगों को खाना चाहिए। इसमें विभिन्न तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर के लिए लाभदायक है। इन्होंने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि अब हम केवीके के माध्यम से हर अधिकारियों की डाइनिंग टेबल तक बोरे बासी पहुंचा सकें। क्योंकि, जब अधिकारी खाएंगे तभी बोरे बासी का महत्व लोगों को बता पाएंगे। साथ ही अब बोरे बासी के लिए लोगों को भी जागरूक किया जाएगा।

श्रमिकों ने कहा- लाल चींटियां करती हैं बीमारी दूर

वैसे तो बस्तर के आदिवासियों के भोजन में चापड़ा चटनी यानी लाल चींटियों की बनी चटनी का अपना एक विशेष महत्व है। हर तरह के आयोजनों में लाल चीटियों की चटनी बनाई जाती है। आदिवासियों का मानना है कि यह कई तरह की बीमारियों को भी दूर करती है। आम के पेड़ से लाल चीटियों को इकट्ठा किया जाता है। बस्तर के गांवों में लगने वाले हाट बाजारों में भी लाल चीटी आसानी से मिल जाती है। अब धीरे-धीरे आदिवासियों का यह मुख्य आहार शहर के लोगों को भी पसंद आने लगा है। लोग इसके स्वाद को चखने लगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फोटोग्राफर श्री खलिक अहमद के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वरिष्ठ फोटोग्राफर श्री खलिक अहमद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति तथा उनके परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। श्री खलिक अहमद, जनसंपर्क संचालनालय से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने राजभवन और मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ में लम्बे समय तक सेवाएँ दी। अपने लंबे सेवाकाल में उन्होंने फोटोग्राफी के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियाँ भी अर्जित की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में मौलश्री और गुलमोहर के पौधे लगाए

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में मौलश्री और गुलमोहर के पौधे लगाए। भोपाल की नुपुर कुंज सोसायटी के सदस्य श्री नितेश जैन, डॉ. कुमुदनी शर्मा, श्री हेमंत पडोडे, श्री संजय खोशल और श्रीमती ऋचा जैन ने भी पौध-रोपण किया। सोसायटी के सदस्यों द्वारा प्रत्येक रविवार को अपने रहवास क्षेत्र में साफ-सफाई कर कचरे के प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है। आमजन और राहगीरों के लिए पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। सोसायटी अपने दोनों गार्डन में प्रत्येक माह पौध-रोपण का विशेष कार्यक्रम करती है और सौंदर्यीकरण के लिए फाउंटेन भी लगाया गया है। सोसायटी के सदस्य पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी के साथ नगर निगम के स्वच्छता संबंधी कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करती है। आज रोपे गए पौधों में गुलमोहर को विश्व के सुंदरतम वृक्षों में से एक माना गया है। यह औषधीय गुणों से भी समृद्ध है। मौलश्री एक सुपरिचित वृक्ष है। इसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने शहीद प्रफुल्ल चाकी के बलिदान दिवस पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्रांतिकारी श्री प्रफुल्लचंद चाकी के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री चाकी ने विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेना शुरू कर दिया था। क्रांतिकारियों के अपमान का बदला लेने के लिए मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड पर हमला करने वाले वीर सपूत प्रफुल्लचंद चाकी ने अंग्रेजों के हाथों पकड़े जाने से बचने के लिए एक मई 1908 को स्वयं ही अपने को गोली मार कर प्राणों की आहूति दे दी।

भोपाल में सिस्टम पर सवाल ; हो सकता बड़ा हादसा

10 फीट गहरे गड्ढे को मिट्टी से भरा, गुजर रहे हैवी व्हीकल

भोपाल

राजधानी भोपाल में 136 करोड़ रुपये खर्च कर बदले जा रहे कोलार वॉटर नेटवर्क ने सिस्टम की पोल खोल दी है। चूना भट्?टी चौराहे पर 10 फीट तक जमीन धंस गई। इतना बड़ा गड्?ढा हो गया कि एक कार पूरी तरह से समा जाए। गनीमत रही कि जब जमीन धंसी, तब कोई हादसा न हुआ। इधर, रातभर में गड्?ढे को मिट्?टी से भरने के बाद ट्रैफिक भी शुरू कर दिया गया। रविवार सुबह से हैवी व्हीकल गड्ढे के ऊपर से गुजरने लगे। ऐसे में फिर बड़ा हादसा हो सकता है। चूना भटटी चौराहे पर शाहपुरा की ओर जाने वाली सड़क रात में धंस गई थी। इसके नीचे से पानी और सीवेज दोनों लाइन गुजरी है। अफसरों का कहना है कि पानी की लाइन की टेस्टिंग के चलते सड़क टूट गई। इसलिए लाइन बंद करके सुधार किया गया। यह सड़क दो महीने पहले ही बनाई गई थी। गहरा गड्?ढा होने के साथ करीब 30 फीट तक सड़क पर दरारें भी पड़ गईं। सड़क कैसी धंसी, इसकी जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कहीं जा रही है, लेकिन प्रशासन की कलई खुल गई है।

सुबह से पहुंचे अफसर, कुछ भी कहने से इनकार

रात में गड्ढा भरने के बाद रविवार सुबह नगर निगम के अफसर चूना भट्टी पहुंचे। हालांकि, वे मामले में कुछ भी कहने से इनकार करते रहे। उनके सामने ही हैवी व्हीकल गुजर रहे थे। एक बस को रुकवाकर अफसरों ने दूसरे रूट से भिजवाया।

डेढ़ साल में ही जवाब देने लगा सीवेज सिस्टम

बता दें कि करीब पांच लाख आबादी वाले कोलार में 162 करोड़ रुपए से सीवेज लाइन बिछाई गई है। वहीं, सनखेड़ी में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और 9 पंप भी बनाए हैं। कुछ दिन पहले ही ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण ष्टरू शिवराज सिंह चौहान ने किया था, लेकिन 12 अप्रैल को मंदाकिनी चौराहे पर सीवेज का मेन होल के आसपास का हिस्सा धंस गया था। ऐसे ही हाल गोल जोड़ से बैरागढ़ चिचली तक नजर आ रहे हैं। सीवेज और पानी की लाइन बिछाने के बाद उस जगह की बेहतर तरीके से मरम्मत नहीं की गई। इस कारण कई जगह जमीन धंसी हुई है, जो बड़े हादसे की वजह बन सकती है।

मप्र में ई-स्कूटर में आग का पहला मामला

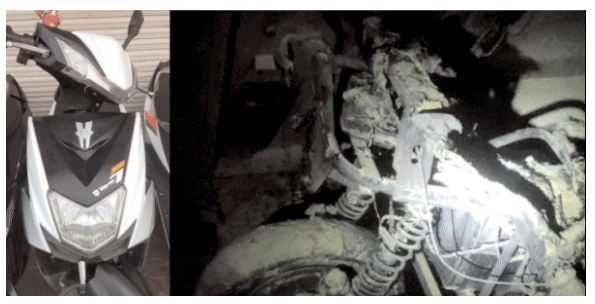

कॉन्स्टेबल ने दो महीने पहले खरीदी थी, चार्जिंग के दौरान बनी फायर बम

भोपाल

निशातपुरा इलाके में क्राइम ब्रांच भोपाल में पदस्थ कॉन्स्टेबल के इलेक्ट्रिक 2-व्हीलर्स में आग लग गई। आग उस दौरान लगी, जब गाड़ी को चार्ज से किया जा रहा था। स्कूटर 20 मिनट में पूरी तरह जल गया। उसका सिर्फ चेसिस बचा है। आग की लपटें इतनी तेज थी कि आधा घंटे परिवार कमरे में फंसा रहा। गाड़ी के मालिक का कहना है कि चार्जिंग के वक्त अचानक गाड़ी की बैटरी में ब्लास्ट हुआ। स्कूटर काया इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी का है। नयापुरा न्यू जेल रोड के पास रहने वाले राहुल गुरु क्राइम ब्रांच भोपाल में कॉन्स्टेबल हैं। उन्होंने दो महीने पहले 12वीं क्लास में पढ़ने वाली बेटी श्रुति गुरु नंदा को काया कंपनी की 89 हजार रुपए में इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीद कर दिया था। उन्होंने बताया कि शनिवार रात 10.30 दस बजे घर की पार्किंग में गाड़ी चार्ज पर लगी थी। हम लोग फर्स्ट फ्लोर में परिवार के साथ खाना खा रहे थे। इसी बीच तेज धमाका हुआ। ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद मम्मी-पापा ने देखा तो स्कूटर जल रहा था। बिजली के बोर्ड में धुंआ उठ रहा था। जब तक हम लोग ऊपर से नीचे आते, आग भीषण हो चुकी थी। बुझाने की कोई हिम्मत नहीं जुटा सका। उन्होंने बैटरी वाली स्कूटर इसलिए खरीदी थी ताकि बच्ची कोचिंग आते-जाते वक्त स्पीड से गाड़ी नहीं भगा सके। उन्हें यह नहीं पता था कि इलेक्ट्रिक स्कूटर इतना खतरनाक होगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में नुपूर कुंज सोसायटी के सदस्यों के साथ पौध-रोपण किया।

बिटिया की डोली से पहले उठी पिता की अर्थी

तिलक करके भोपाल लौटा, करंट से मौत; अच्छी बात ये कि शादी नहीं टली

भोपाल

बिटिया की शादी के अरमान सजाए एक पिता उसकी डोली उठने से पहले ही दुनिया छोड़ गए। शनिवार रात फलदान (तिलक) कर लौटे। शादीवाले घर में लगा हैलोजन बल्ब ब्लिंक कर रहा था। वह उसे ठीक करने लगे। करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। दोस्त-रिश्तेदार हॉस्पिटल भी ले गए, लेकिन देर हो चुकी थी। कल इस पिता की बिटिया की बारात आना है। दयाशंकर दुबे भोपाल के छक्कअस्पताल में कक्ष सेवक थे। अस्पताल के ही कैंपस में उनका सरकारी आवास है। शनिवार को बड़ी बेटी चिया का फलदान (तिलक) कार्यक्रम रातीबड़ में था। रात को वह 8.30 बजे लौटे। घर में लगा हैलोजन बल्ब पानी की टंकी पर चढ़कर ठीक कर रहे

थे, तभी बिजली का तेज झटका लगने से नीचे गिर पड़े।

दोस्त बोले, नहीं टलने देंगे शादी

दयाशंकर के तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा अभिषेक, बेटी चिया, छोटी बेटी डब्बू। दुबे के दोस्तों ने बताया कि बेटी की शादी को लेकर वह काफी खुश थे। उनके दोस्त ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि बिटिया की शादी नहीं टलने देंगे। भले ही मेहमान कम रहें, लेकिन बिटिया की डोली उठेगी। हम सभी दोस्त इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

घर में मातम

बेटी की शादी को लेकर घर में खुशियों का माहौल था। दुबे की मौत के बाद खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। उनके कई रिश्तेदार भी शादी में शामिल होने के लिए आ चुके हैं। इस बीच घटना के बाद से सब गमगीन हैं।

मंत्रालय का लंच के समय का मंचः प्रकाश झा और अन्नू कपूर भी इस मंच को कर चुके हैं साझा, कोरोना के बाद दोबारा एक्टिव कर रहे कर्मचारी

भोपाल

लंच के समय का मंच। मंत्रालय के पांचवें माले पर कर्मचारियों ने एक अनोखा प्रयोग किया और सफल हुआ। इसका मकसद है कि कर्मचारी मिल-जुलें और क्रीएटिव एक्टिविटी कर तनाव को दूर करें। कर्मचारी बल्लभ भवन के पांचवे माले पर रोजाना जुटकर रियाज करते हैं और एक-दूसरे की हौंसला बढ़ाकर उसे प्रमोट करते हैं। कोई गाना गाता है, तो कोई हार्मोनियम पर साथ देता है तो कोई तबला पर ताल ठोकता है। अन्य कर्मचारी सुनकर आनंद लेते हैं। इस दौरान खूब-हंसी मजाक भी होता है। लंच के समय के बाद सभी अपने अपने कार्यालय में जाकर वापस काम में

जुट जाते हैं। कोरोना के समय मंच की गतिविधियां थम गईं। जिसे दोबाना एक्टिव करने की कोशिश कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस मंच पर कई आईएएस अफसर रैंक के अधिकारी भी आते रहे। इस मंच को इस तरह की प्रसिद्धि मिली की फिल्म मेकर प्रकाश झा, अभिनेता अन्नू कपूर सहित कई हस्तियां भी पहुंची। जिसे खूब सराहा गया। लेकिन कोरोना आने के बाद मंच के माध्यम से होने वाली एक्टिविट थम सी गईं। लेकिन इसे संचालित करने वाली वंदे मातरम की टीम एक इसे फिर से एक्टिव करने का प्रयास कर रही है। इस टीम के लीडर बीएस निगम बताते हैं कि लंच के समय लोग इकठ्?ठे होते हैं, झुंड में साथ में बैठकर गप्प लड़ाते हैं। उन्हें कुछ कर्मचारी ऐसे मिले जो गायन का शौक रखते थे। 2005 से पेड़ों की नीचे बैठकर गाना शुरू किया। वहां टीम जुड़ती चली गई। ज्यादा लोग जुटने लगे तो एक ऐसी जगह की तलाश शुरू की गई। जहां सब एक साथ बैठ सके। बल्लभ भवन की पांचवीं मंजिल पर एक गैलरी पर नजगर गई, जहां कबाड़ का सामान रखा रहता था। इसे साफ करके टूटे-फूटे सामान को सुधार कर शुरूआत की और इसे लंच के समय का मंच% नाम दिया। जिनको गाने और सुनने का शौक था तो आने लगे। धीरे-धीरे उन लोगों को आगे किया जो कविता पड़ते हैं, भाषण देते हैं। निगम बताते हैं कि शुरूआत में उनके पास वाद्य यंत्रों की सुविधा नहीं थी। जोड़-तोड़ पद्धति से बनाई सामग्री तैयार की। जिनका उपयोग कर कर्मचारी रियाज करने लगे।

भोपाल में सब्जी व्यापारी का मर्डर : 500 रुपए के लिए हम्माल ने मासूम बच्चों के सामने व्यापारी को रॉड से पीट-पीटकर मार डाला

भोपाल

भोपाल के करोंद मंडी में हम्माल ने लोहे के रॉड से पीट-पीटकर प्याज व्यापारी की हत्या कर दी। हत्या की वजह 500 रुपए का लेनदेन सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि हम्माल को 500 रुपए मजदूरी के लेना था, जिसे वह अगले रोज देने की बात कह रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि हम्माल ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस का कहना कि दोनों रिश्ते में जीजा-साले लगते हैं। मृतक आरोपी का साला है।

जानकारी के मुताबिक, नवाब कॉलोनी करोंद में रहने वाले साबिर खान (40) प्याज का धंधा करता था। शनिवार रात वह करोंद मंडी में अपना ट्रैक्टर लेकर प्याज भरवाने गया था। साथ में उसके दो बच्चे भी थे। रास्ते में उसे हम्माल वहीद मिला। उसे ट्रैक्टर में बैठाकर मंडी ले गया। मंडी में दोनों ने पहले शराब पी। इसके बाद हम्माल ने ट्रैक्टर में प्याज भरा। प्याज भरने के बाद उसने साबिर से मजदूरी मांगी। साबिर बोला कि पैसा कल प्याज बेंचकर दे देंगे। लेकिन वहीद पैसा लेने पर अड़ गया। दोनों में बहस हो गई। इसी बीच ट्रैक्टर में रखे टाय रॉड निकालकर वहीद ने साबिर पर ताबड़तोड़ हमले कर दिया। वह जमीन गिर पड़ा। पुलिस ने घेराबंदी कर वहीद को गिरफ्तार कर किया। उसने गुनाह कबूल लिया है।

26 को बेटी की थी शादी

साबिर के पिता शोखत खां ने 26 अप्रेल को ही उसने अपनी सबसे बड़ी बेटी की शादी की थी। पिता का कहना कि वह अपने काम-काम से रखता था, किसी से उसकी ज्यादा बातचीत नहीं होती थी। शनिवार को भी शाम करीब 6ः30 बजे वो अपने दो बच्चों के साथ प्याज भरवाने ट्रैक्टर लेकर करोंद मंडी निकला था। उसने हम्माल वहीद से ट्रैक्टर में प्याज लोड कराया, वहीद के साथ उसकी पुरानी जान-पहचान थी।

दोनों बेटे दौड़कर घर पहुंचे

शोखत खां ने बताया कि साबिर के दोनों बेटे भागते हुए घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि अब्बू को वहीद ने मारा डाला है। इसके बाद मैं 9-10 बजे के बीच मंडी पहुंचा। देखा कि बेटा जमीन पर गिरा पड़ा है। उसकी सांसे चल रहीं थीं, मैं ऑटो से उसे घर लेकर आया। स्थिति बिगड़ने पर उसे हमीदिया हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। रात 12 बजे उसकी मौत हो गई।

जीजा का दावा साजिश के तहत मारा

साबिर के जीजा जाकिर ने दावा किया कि उसे प्लानिंग के तहत मारा गया है। उसके खाने में कुछ मिला दिया गया था। जिसके कारण उसके हाथ-पैर निष्क्रिय हो गए, इसिलए वो अपने ऊपर हुए वार को रोक नहीं पाया। वहीं पुलिस ने मामले में आरोपी वहीद को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच में जुटी है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवसः महिलाओं को ई-रिक्शा में अब 50 हजार की जगह 1 लाख रूपए का मिलेगा अनुदान

छत्तीसगढ़ी बोरे-बासी की प्रसिद्धि गर्व का विषय : सीएम

- **श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना की घोषणा, सियान श्रमिकों को एकमुश्त मिलेंगे 10 हजार रूपए**
- **अब 21 वर्ष की आयु तक की बालिकाओं को मिलेगा नोनी सुरक्षा योजना का लाभ**

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर आज यहां बीटीआई मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने आज के श्रम दिवस को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगो से बोरे बासी खाने का आह्वान किया था और लोगों ने उनके आह्वान का समर्थन करते हुए इसे विदेशों तक पहुंचा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग लगातार बोरे बासी के बारे में जानकारी जुटा रहे थे और आज अधिकांश लोगों ने बोरे बासी खाया भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक छत्तीसगढ़ी व्यंजन की इस तरह की प्रसिद्धि से गर्व महसूस कर रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्रम विभाग की अलग अलग योजनाओं के हितग्राहियों से मुलाकात की एवं उन्हें सामग्री वितरित की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्रमिकों के बच्चों के साथ खेलते हुए भी नजर आए, एक बच्ची को मुख्यमंत्री ने गोद में उठाकर प्यार किया तो वहीं एक अन्य बच्ची को उन्होंने अपने हथेली पर खड़ा कर उसे दुलार दिया। इस अवसर पर श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी देने वाली पत्रिका का विमोचन मुख्यमंत्री एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया।

एकमुश्त मिलेंगे 10 हजार रूपए

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने मंच से संबोधित करते हुए प्रदेश के सभी श्रमवीरों को श्रम दिवस की बधाई देते हुए नई घोषणाएं भी कीं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बुजुर्ग मजदूरों के लिए श्रमिक सियान सहायता योजना में एकमुश्त 10 हजार रूपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने महिला स्वावलंबियों को आगे बढ़ाने के लिए ई रिक्शा में अब 50 हजार की जगह 1 लाख रूपए का अनुदान देने की घोषणा ने की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ये नोनी सशक्तीकरण योजना में 18 वर्ष की आयु सीमा में 3 वर्ष की वृद्धि करते हुए अब योजना का लाभ 21 वर्ष तक की बालिकाओं को देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने एक मई को शुरू की गयी मितान योजना के बारे में भी घोषणा की है कि दूसरे चरण में ये योजना ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू की जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया ने कहा कि श्रमिकों के बिना निर्माण कार्य संभव नहीं है। उन्होंने श्रमिकों को राज्य के विकास का आधार स्तंभ बताया। छत्तीसगढ़ भवन संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री सन्नी अग्रवाल ने कहा कि श्रमिकों के हितों के लिए आर्थिक विकास हो सके इसके लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के जीवन पर्यन्त तक की महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री सफी अहमद ने कहा की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार की आर्थिक नीति बेरोजगारी दूर करने और लोगों को रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे राज्य में गरीबों, मजदूरों और किसानों का विश्वास सरकार के प्रति बढा है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नोनी सशक्तिकरण योजना ,ननिहाल छात्रवृत्ति योजना ,मेधावी छात्रवृत्ति योजना, भगिनी प्रसूति सहायता योजना, मुख्यमंत्री ई-रिक्शा योजना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को चेक भी वितरण किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, विधायक एवं संसदीय सचिव श्री रेख चंद जैन, , विधायक एवं संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री रामगोपाल अग्रवाल,छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन ,महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक, विधायक श्री बृहस्पत सिंह, विधायक श्रीमती अनीता योगेंद्र शर्मा , विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न जिलों से आए श्रमिक उपस्थित थे।

गढ़कलेवा में बोरे बासी खाने का शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के आव्हान पर 01 मई मजदूर दिवस को बोरे बासी दिवस के रूप मनाने का सिलसिला शुरू हो गया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के आव्हान पर ही संस्कृति विभाग द्वारा गढ़कलेवा में आज से बोरे बासी थाली का शुभारंभ किया गया है। लोग चाव के साथ मुख्यमंत्री के आव्हान पर बोरे बासी खाकर श्रम को सम्मान देने के इस अभियान में भागीदारी बने। राज्य प्रशासनिक अधिकारी भी बोरे बासी खाकर तृप्त हुए और ठंडकता महसूस की। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री लिंगराज सिदार ने बासी खाकर प्रतिक्रिया में बताया वे बचपन में अक्सर बासी खाते थे। भले ही अब बासी खाने का अवसर कम मिलता हो, लेकिन जैसे ही बासी खाने का मौका मिलता है, तो वह बासी जरूर खाता है।

कई बराती घायल, डीजे में नाचने के दौरान हुई मारपीट

बिलासपुर। सीपत क्षेत्र के टेकर में बरातियों के साथ डीजे में नाचने को लेकर गांव के युवकों का विवाद हो गया। इसके बाद गांव के युवकों ने बरातियों की डंडे और राड से पिटाई कर दी। मारपीट से घायल बरातियों ने इसकी शिकायत सीपत थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मस्तूरी क्षेत्र के पाराघाट निवासी प्रेमचंद साहू किराना दुकान चलाते हैं। उनके भतीजे भागीरथी साहू की शादी सीपत क्षेत्र टेकर गांव में थी। शुक्रवार की रात वे गांव से बरात के साथ टेकर आए थे। रात को बराती डीजे में नाच रहे थे। रात 10 बजे गांव के लीली वर्मा और उसके साथी भी बरात में शामिल होकर नाचने लगे। डीजे में नाचने के दौरान लीली वर्मा और उसके साथियों ने प्रेमचंद के बेटे ईश्वर प्रसाद से गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इसका विरोध करने पर युवकों ने ईश्वर की डंडे और राड से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के बीच प्रेमचंद, भगतराम साहू और मयंक बीच-बचाव करने आए। युवकों ने उनसे भी मारपीट की। गांव के लोगों और बरातियों ने किसी तरह बीच-बचाव किया। मारपीट से घायल प्रेमचंद ने शनिवार को सीपत थाने में पहुंचकर घटना की शिकायत की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कलेक्टर के निर्देश पर खाद और कृषि दुकानों पर छापामार कार्यवाही

गरियाबंद । कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मैनपुर व कृषि विभाग के अमला द्वारा उर्वरक व्यवसायियों के दुकान का निरीक्षण किया गया। मैनपुर स्थानीय उर्वरक प्रतिष्ठान बालाजी खाद भण्डार किसान खाद भण्डार व न्यु मैनपुर कृषि केन्द्र का निरीक्षण किया गया। सभी दुकानों में उर्वरक अधिनियम 1985 के तहत अनियमितताएं पाई गई। बालाजी खाद भण्डार में निरीक्षण के दौरान पी.ओ.एस मशीन को स्टाक व गोदाम के भौतिक स्टॉक में अंतर पाया गया बिल बुक केशमेमो का मिलान नही पाये जाने के कारण उर्वरक अधिनियम 1985 के तहत जप्तीनामा बनाकर दुकान सील किया गया। उसी प्रकार किसान खाद भण्डार मैनपुर के निरीक्षण के दौरान पाया गया। दुकान में मुल्य सुची स्टाक सूची प्रदर्शित नहीं किया गया था पी.ओ.एस मशीन चालू हालत में नहीं था और ना ही भण्डारण पंजी वितरण बिल बुक केशमेमो संधारण नहीं किया गया था और आवश्यक दस्तावेज संचालक द्वारा पेश नहीं किया ।

दो दिन में लगा 21हजार 700 लोगो को टीका, घर-घर गईं टीकाकरण टीमें, विशेष कोविड टीकाकरण अभियान सम्पन्न

बलौदाबाज़ार । कलेक्टर डोमन सिंह के निर्देश पर जिले में कोरोना का विशेष टीकाकरण अभियान शनिवार को शुरू किया गया था । दो दिन चले इस अभियान में रविवार तक 21हजार 700 टीका लगाया गया। जिसके अंतिम रिपोर्ट तक और बढ़ने की आशा है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर ने बताया कि टीकाकरण अभियान इस बार घर-घर जाकर संपादित किया गया। जिसमे कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य के अतिरिक्त राजस्व,शिक्षा ,स्वास्थ्य ,पंचायत, नगरीय निकायों ने भी सहयोग और समन्वय किया ।

आज इस अभियान हेतु जिले में कुल 353 सत्र बनाये गए। जिसमें सबसे अधिक कसडोल में 102 स्थापित किये गए थे ।आज शाम 5 बजे तक 21हजार 700 लोगो को टीका लगाया गया।आज बलौदा बाजार में 4 हजार 266, भाटापारा में 3 हजार 368 ,सिमगा में 4 हजार 275, कसडोल में 4 हजार 790, बिलाईगढ़ में 2 हजार 307 तथा पलारी में 2 हजार 699 लोगो को टीका लगाया जा चुका था । इस अभियान में कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के सी एम एच ओ,बी एम ओ के साथ- साथ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी घर -घर जा कर लोगों को प्रोत्साहित किया । स्वयं जिला कलेक्टर डोमन सिंग ने कई साइट का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायज़ा लिया। कलेक्टर सिंह ने आम जनता को इस अभियान हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। अभियान के बाद भी कोविड टीकाकरण लगातार चलता रहेगा। ।

शिक्षामंत्री ने 20 बालिकाओं को किया सरस्वती सायकल का वितरण

रायगढ़। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, स्कूल शिक्षा तथा सहकारिता एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम एक दिवसीय रायगढ़ प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर, रायगढ़ में छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत 20 बालिकाओं को निःशुल्क सायकल एवं पुस्तकों का वितरण किया। इस मौके पर स्कूल शिक्षामंत्री डॉ.टेकाम ने बालिकाओं को बधाई दी। उन्होंने सभी छात्राओं को छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना का लाभ लेते हुए नियमित रूप से अच्छे से मन लगाकर पढ़ाई करने एवं अपने स्कूल सहित माता-पिता का नाम रोशन करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही नियमित रूप से पढ़ाई करने हेतु स्कूल आने हेतु कहा। सायकल पाकर बालिकाओं के चेहरे पर खुशी झलक रही थी।

सभी बालिकाओं ने इस पुनीत कार्य के लिए छत्तीसगढ़ शासन एवं स्कूल शिक्षामंत्री डॉ.टेकाम को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए नियमित रूप से शाला आने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर रायगढ़ विधायक श्री प्रकाश नायक, कलेक्टर श्री भीम सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर.पी.आदित्य, डीएमसी श्री आर.के.देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पत्रकारों का जेल भरो आंदोलन का भाजपा ने किया समर्थन... प्रदेश में आपातकाल लगा है : भाजपा

सूरजपुर। सरगुजा संभाग में कलमकारों की कलम को कुचलकर उसका अस्तित्व मिटाया जा रहा है एक सुनियोजित योजना के तहत जुल्म अत्याचार, अन्याय, भ्रष्टाचार, अनैतिक कृत्य, मफियाओ के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों को टारगेट कर एक के बाद एक झुठे अपराध दर्ज किये जाने के बाद सरगुजा संभाग सहित अन्य प्रदेश व देश के पत्रकारों ने 6 मई को जेल भरो आंदोलन का शंखनाद किया है इस दिन भारी संख्या में प्रदेश सहित देश के पत्रकार एकत्र होकर आंदोलन करेगे और पत्रकारो पर हो रहे उत्पीडन पर प्रदेश सरकार के खिलाफ हल्ला बोलेगे. आज मजदुर दिवस पर सूरजपुर में भाजपा का प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रभारी संगठन राजा पाण्डेय ने प्रदेश सरकार को जमकर कोसा. तो वही जिलाध्यक्ष बाबुलाल अग्रवाल ने पत्रकारो का 6 मई को होने वाले जेल भरो आंदोलन का समर्थन किया है और कहा कि काग्रेस सरकार का लोकतत्र से विश्वास उठ गया है मिडिया सहित आम लोगो की आवाज को दबा रही है जिससे जुल्म सितम से परेशान लोग अपने हक के लिये कुछ ना कर सके. प्रदेश की गोबर सरकार एक काला कानुन लाई है जिसमें अपने हक के लिये कोई धरना प्रदर्शन नही कर सकता. अगर सरकार 15 दिन में यह आदेश वापस नही लेती है तो 16 मई को भाजपा का जेल भरो आंदोलन कर हजारों की संख्या में गिरफ्तारी देगी.

छत्तीसगढ़ी फ़ीचर फिल्म ''भूलन द मेज'' के निर्माता-निर्देशक और कलाकारों ने खाया बोरे बासी

गूंजी लोक गीत "बटकी म बासी अउ चुटकी म नून" की स्वर लहरियां

रायपुर। संस्कृति विभाग परिसर स्थित गढ़कलेवा में आज दोपहर छत्तीसगढ़ी फ़ीचर फिल्म ''भूलन द मेज'' के निर्माता-निर्देशक और कलाकारों ने बोरे बासी को सम्मान के साथ खाया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की आव्हान पर संस्कृति विभाग द्वारा गढ़कलेवा में मजदूर दिवस के अवसर पर 01 मई से बोरे बासी थाली का शुभारंभ किया गया है। गढ़कलेवा में आम जनों सहित कलाकारों अधिकारियों-कर्मचारियों और महिलाओं, बुजुर्गो सहित युवाओं ने चाव से बोरे बासी खाया।

भूलन द मेज छत्तीसगढ़ फ़ीचर फिल्म के कलाकार श्री पुष्पेन्द्र सिंह प्रतिक्रिया में बताया कि बासी सिर्फ हमारा आहार ही नहीं बल्कि संस्कृति है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को सहजने के साथ ही श्रमवीरों के सम्मान के लिए मजदूर दिवस को बोरे बासी दिवस के रूप में मनाने का आव्हान प्रशंसनीय है। इससे न केवल वेस्ट हो रहे भोजन का सद्उपयोग होगा। बिना खर्च किए घर पर ही बासी के रूप पौष्टिक भोजन मिलेगा, वहीं गर्मी में ठंडकता भी मिलेगी।

निर्माता-निर्देशक श्री मनोज वर्मा ने कहा कि बासी स्वास्थ्य और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से काफी महत्व रखता है। बासी को किसानों, श्रमवीरों सहित सभी वर्ग के लोग अपने-अपने तरीके से खाते हैं। बासी पौष्टिक गुणों से परिपूर्ण है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के तीज-त्यौहार,वेश-भूषा और खान-पान सहित कला, संस्कृति, परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य कर रहे हैं। बोरे बासी भी विशेषकर किसानों, श्रमिकों के लिए खान-पान का एक अहम हिस्सा है। राज्य की संस्कृति को बोरे बासी के माध्यम से सहजने का प्रयास सराहनीय कदम है। कलाकार श्रीमती उपासना वैष्णव ने कहा कि जब भी अवसर मिलता है मैं बासी जरूर खाती हूं। वैसे तो मैं घर पर रहती हूं तो ज्यादातर बासी खाती हूं। बोरे बासी खाना हमारी संस्कृति में रचा-बसा है। हालांकि आधुनिकता के प्रभाव में कुछ प्राचीन संस्कृति धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रही हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बोरे बासी खाने का आव्हान कर छत्तीसगढ़ी संस्कृति को सहजने के साथ-साथ श्रमवीरों का भी सम्मान किया। गायक और लोक कलाकार श्री संजय महानंद ने ''बटकी म बासी अउ चुटकी म नून'' लोकगीत के माध्यम से बासी का महत्ता का बखान किया। इस मौके पर भूलन द मेज के कलाकार श्री योगेश अग्रवाल, श्री सुरेश गोण्डाले, विक्रम सिंह, अनुराधा दुबे, निशांत उपाध्याय, विनय शुक्ला, समीर गांगुली, सुदीप त्यागी, शिवानी सेन, नूतन सिन्हा, अंथनी गाइडिया ने चाव के साथ बोरे बासी खाया।

वायरल वीडियो पर एक्शन, पुलिस ने किया 5 आरोपियों को गिरफ्तार

बिलासपुर। सोशल मीडिया पर बेरहमी से मारपीट वाली वायरल वीडियो की जानकारी मिलने पर सीपत पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही की गई। वही मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें एक अपचारी बालक भी शामिल है।

बता दें कि मामला जिले के तारबाहर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक दयालबंद के नारियल कोठी में रहने वाला आयुष गोरख 20 अप्रैल को अपनी बाइक बनवाने के लिए अग्रसेन चौक गया। यहां दुकान बंद होने से वापस आ रहा था। इस दौरान एक जिम के पास तारबाहर क्षेत्र में रहने वाले साहिल साहू, कृष्णा साहू, पुष्कर व अन्य ने उसका रास्ता रोका और पुरानी रंजिश को लेकर अश्लील गाली-गलौच करते बेसबाल, हाकी स्टीक व हाथ मुक्के से मारपीट किया था। इससे आयुष के पीठ, सिर, हाथ और पैर में चोट लगी है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संपादकीय

हादसे की यात्रा

तमिलनाडु के तंजावुर में एक धार्मिक यात्रा के दौरान जिस तरह का हादसा हुआ, उसने एक बार फिर यही दर्शाया है कि किसी समारोह या उत्सव का आयोजन तो कर लिया जाता है, मगर न तो उसके आयोजकों को सावधानी बरतने की जरूरत लगती है और न ही प्रशासन इसके लिए सजग रहता है। तंजावुर में बुधवार को एक मंदिर की ओर से पारंपरिक रथयात्रा तो निकाली गई, लेकिन अपने स्तर पर इसमें शामिल होने वाले लोगों या फिर विशेष रूप से स्वयंसेवकों को इस बात के लिए सावधान नहीं किया गया था कि रास्ते में किन स्थितियों में क्या करना है।

नतीजतन, एक जगह पर जुलूस के रथ को मोड़ने और पीछे करने के क्रम में उच्च विद्युत प्रवाही तार रथ के संपर्क में आ गया। इसके बाद उसके करंट की चपेट में कई श्रद्धालु आ गए। हादसे में ग्यारह लोगों की जान चली गई, जिनमें दो बच्चे भी थे। कई अन्य बुरी तरह घायल हुए। निश्चित तौर पर यह हादसा ही है, लेकिन अगर ऐसी घटना की जड़ में आयोजकों या फिर प्रशासन की लापरवाही शामिल हो, तब इससे ज्यादा अफसोस की बात क्या होगी !

मुश्किल यह है कि सरकारों की नींद तभी खुलती है जब कोई बड़ा हादसा सामने आ जाता है या कोई मामला तूल पकड़ लेता है। घटना के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजे के तौर पर देने की घोषणा की है। लेकिन सवाल है कि मंदिर की ओर से पिछले तिरानबे साल से निकाली जाने वाली इस पारंपरिक यात्रा के बारे में पूर्व सूचना होने के बावजूद प्रशासन ने अपनी ओर से सुरक्षा व्यवस्था के लिए क्या इंतजाम किए थे

क्या निर्धारित मार्ग में आने वाली बाधाओं के बारे में यात्रा के आयोजकों को सूचित किया गया था? वहीं, लंबे समय से इस यात्रा का उत्सव मनाने वाले आयोजकों को क्या रथ के रास्ते में आने वाले उच्च विद्युत प्रवाही तार में बिजली के जोखिम के बारे में अंदाजा नहीं था? उन्होंने अपने स्तर पर उससे बचाव के लिए क्या उपाय किए थे? दरअसल, ज्यादा लोगों के शामिल होने वाले आयोजनों में कुछ मामूली-सी दिखने वाली अड़चनों का ही ध्यान रख लिया जाए, तो किसी बड़े हादसे से बचने की गुंजाइश बन सकती है।

विडंबना यह है कि धार्मिक जमावड़े में होने वाले बेहद दुखद हादसों के उदाहरण अक्सर सामने आते रहने के बावजूद ऐसे उत्सवों के आयोजकों को सावधानी बरतने और जोखिम पर ध्यान रखने की जरूरत नहीं लगती। प्रशासन भी धार्मिक आयोजन के नाम पर ऐसी लापरवाहियों की कई बार अनदेखी कर देता है। नतीजतन, आए दिन ऐसी घटनाएं सुर्खियों में आती रहती हैं, जिनमें किसी धार्मिक स्थल पर होने वाले उत्सव में भगदड़ हो जाती है और उसमें नाहक ही काफी संख्या में लोगों की जान चली जाती है। धार्मिक स्थलों पर होने वाले उत्सवों के दौरान हुए हादसों का शिकार आमतौर पर ज्यादा महिलाएं होती हैं। घटना के बाद सरकारों की ओर से अपनी सीमा में यह जरूर होता है वह मृतकों के परिजनों और घायलों की मदद के लिए आर्थिक सहायता जारी कर देती है, लेकिन भविष्य में ऐसे हादसे न हों, उसके लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। यह बेवजह नहीं है कि कुछ समय के अंतराल पर देश के किसी हिस्से से धार्मिक आयोजन के दौरान भगदड़ या अन्य प्रकार के हादसे आते रहते हैं।

विश्व भर में स्वरूप बदल कर तेजी से बढ़ रही हैं आतंकवाद की घटनाएं

(प्रह्लाद सबनानी)

भारतीय चिंतन धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चार स्तंभों पर स्थापित है। इस दृष्टि से चाहे व्यक्ति हो, परिवार हो, देश यो अथवा विश्व हो, किसी के भी विषय में चिंतन का आधार एकांगी न मानकर एकात्म माना जाता है।

हाल ही के समय में न केवल भारत बल्कि विश्व के कई देशों यथा, स्वीडन, ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, भारत, अमेरिका आदि में आतंकवाद की समस्या ने सीधे तौर पर इन देशों के आम नागरिकों को एवं कुछ हद तक इन देशों की अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित किया है। आतंकवाद के पीछे धार्मिक कट्टरता को मुख्य कारण बताया जा रहा है और आश्चर्य होता है कि पूरे विश्व में ही आतंकवाद फैलाने में एक मजहब विशेष के लोगों का अधिकतम योगदान नजर आ रहा है। अभी हाल ही में भारत के कई नगरों में रामनवमी एवं हनुमान जयंती पर हिंदू समुदाय द्वारा निकाले गए देवी देवताओं के जुलूस पर पत्थरबाजी की गई है। इसकी शुरुआत राजस्थान के करौली से हुई फिर मध्य प्रदेश के खरगौन, कर्नाटक के हुबली, आंध्र प्रदेश के कुरनूल के होलागुंडा, उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के भगवानपुर के एक गांव, गुजरात के आणंद और हिम्मतनगर, पश्चिम बंगाल के बांकुरा आदि शहरों तक फैल गई। इन नगरों में पुलिस भी हालत को नियंत्रित करने में एक तरह से असफल रही है। इसी प्रकार अभी हाल ही में स्वीडन में भी हमलावर भीड़ (मुस्लिम शरणार्थियों) द्वारा पुलिस वाहनों पर हमला कर दिया गया एवं पुलिस की कई गाड़ियों को जला दिया गया। अत्यधिक सूचना तंत्र और हथियारों से लैस पुलिस भी हालत को नियंत्रित करने में असफल रही। स्वीडन के साथ ही यूरोप के कई देशों में मुस्लिम शरणार्थी वहां की कानून व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं।

उक्त कुछ घटनाओं का वर्णन तो केवल उदाहरण के तौर पर किया गया है अन्यथा आतंकवाद की स्थिति तो पूरे विश्व में ही बद से बदतर होती जा रही है एवं अब तो इन देशों की अर्थव्यस्थाओं को भी प्रभावित कर रही है। इन देशों में एक मजहब विशेष के लोगों द्वारा देश की सम्पत्ति को नुकसान तो पहुंचाया ही जाता है साथ ही पुलिस एवं आम नागरिकों पर भी हमले किए जाते हैं जिससे कई बार तो इन हमलों में पुलिस एवं आम नागरिक अपनी जान भी गंवा देते हैं। इस प्रकार की लगातार बढ़ रही घटनाओं के चलते अब विश्व के आम नागरिक इन घटनाओं के कारणों के समझने लगे हैं एवं आतंकवादियों की धार्मिक कट्टरता के विरुद्ध एक होने लगे हैं। जैसे बताया जा रहा है कि अभी हाल ही में सूडान ने अपने देश में इस्लाम के अनुपालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूरोप के कई देशों में वहां के नागरिक इस्लाम धर्म को त्याग कर अब ईसाई धर्म अपना रहे हैं। जापान ने भी इस्लाम धर्म का पालन करने वाले लोगों के लिए कड़े कानून लागू कर दिए हैं। चीन द्वारा मुस्लिम समाज पर लगातार किए जा रहे अत्याचारों से तो अब पूरा विश्व ही परिचित हो गया है। एक समाचार के अनुसार नार्वे ने एक बड़ी संख्या में इस्लाम मजहब को मानने वाले लोगों को अपने देश से निकाल दिया है, इस कदम को उठाने के बाद नार्वे में अपराध की दर में 72 प्रतिशत तक की कमी आ गई है एवं वहां की जेलें 50 प्रतिशत तक खाली हो गई हैं तथा पुलिस अब नार्वे के मूल नागरिकों के हितों के कार्यों में अपने आप को व्यस्त कर पा रही है। विश्व के कई अन्य देशों ने भी इसी प्रकार के कठोर निर्णय लिए हैं। कुछ अन्य देशों में तो वहां के नागरिकों द्वारा मैं पूर्व मुस्लिम नाम से आंदोलन ही चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत ये लोग घोषणा करने लगे हैं कि अब मैंने इस्लाम मजहब का परित्याग कर दिया है।

भारत वैसे तो हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले लोगों का देश है और इसे राम और कृष्ण का देश भी माना जाता है, इसलिए यहां हिंदू परिवारों में बचपन से ही वसुधैव कुटुम्बमक, सर्वे भवन्तु सुखिन~ एवं सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की भावना जागृत की जाती है एवं इसी के चलते भारत ने अन्य देशों में हिंदू धर्म को स्थापित करने अथवा उनकी जमीन हड़पने के उद्देश्य से कभी भी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। भारत में तो जीव, जंतुओं एवं प्रकृति को भी देवता का दर्जा दिया जाता है। परंतु हाल ही के समय में भारत में भी इस्लाम के अनुयायियों की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। विशेष रूप से वर्ष 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से तो भारत में हिंदुओं की स्थिति लगातार दयनीय होती जा रही है। आज भारत के 9 प्रांतों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं एवं इस्लामी/ईसाई मतावलंबी बहुमत में आ गए हैं। जैसे, नागालैंड में 8प्रतिशत, मिजोरम में 2.7प्रतिशत, मेघालय में 11.5प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 29प्रतिशत, मणिपुर में 41.4प्रतिशत, पंजाब में 39प्रतिशत, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 32प्रतिशत, लक्षद्वीप में 2 प्रतिशत, लदाख में 2प्रतिशत आबादी हिंदुओं की रह गई है। कुछ राज्यों में तो हिंदुओं की आबादी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। जिन जिन क्षेत्रों, जिलों अथवा प्रदेशों में इस्लाम को मानने वाले अनुयायियों की संख्या बढ़ी है उन उन क्षेत्रों, जिलों एवं प्रदेशों में हिंदुओं द्वारा निकाले जाने वाले धार्मिक जुलूसों पर पत्थरों से आक्रमण किया जाता है एवं हिंदुओं को हत्तोत्साहित किया जाता है ताकि वे अपने धार्मिक आयोजनों को नहीं कर पाएं।

हाल ही के इतिहास पर यदि नजर डालें तो आभास होता है कि जब जब देश के कुछ इलाकों में हिंदुओं की संख्या कम हुई है तब तब इस देश और समाज को नुकसान हुआ है। जैसे वर्ष 1947 में पाकिस्तान बना, वर्ष 1971 में बंगला देश, वर्ष 1990 में जम्मू एवं कश्मीर में इस प्रकार की दुर्घटनाएं हिंदुओं के साथ घट चुकी हैं। इसके बाद भी मामला यहां तक रुका नहीं है बल्कि गोधरा, मुंबई, अक्षरधाम, नंदीग्राम, दिल्ली आदि शहरों में आतंकवादी हमले किए गए हैं। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि बर्मा, श्रीलंका, अफगानिस्तान आदि भी कभी भारत के ही भाग रहे हैं। भारत के अलावा भी अन्य देशों में ईसाई, बौध, हिंदू धर्म के अनुयायियों पर लगातार हमले करके इन देशों को इस्लामी राष्ट्र में परिवर्तित कर दिया गया है जैसे, अफगानिस्तान, ईरान, लेबनान, सिल्क रूट के लगभग सभी देश, तुर्की, मध्य पूर्व, मिस्र, उत्तरी अफ्रीका और बाकी अफ्रीका। इस प्रकार आज पूरे विश्व में इस्लाम को मानने वाले देशों की संख्या 57 हो गई है।

भारतीय चिंतन धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चार स्तंभों पर स्थापित है। इस दृष्टि से चाहे व्यक्ति हो, परिवार हो, देश यो अथवा विश्व हो, किसी के भी विषय में चिंतन का आधार एकांगी न मानकर एकात्म माना जाता है। भारत के उपनिषदों, वेदों, ग्रंथों में भी यह बताया गया है कि मनुष्य का जीवन अच्छे कर्मों को करने के लिए मिलता है एवं देवता भी मनुष्य के जीवन को प्राप्त करने के लिए लालायित रहते हैं। अच्छे कर्म कर मनुष्य अपना उद्धार कर सकता है इसीलिए भारतीय धरा को कर्मभूमि माना गया है जबकि अन्य धराओं को भोगभूमि कहा गया है। साथ ही, वर्णाश्रम व्यवस्था हिंदू सनातन संस्कृति का मूल बताया जाता है। हमारे शास्त्रों में यह भी वर्णन मिलता है कि सभी वर्णों तथा आश्रमों में पूर्णतः प्रतिष्ठित व्यक्ति जीवन के सर्वोत्तम लक्ष्य अर्थात मोक्ष को प्राप्त करने का अधिकारी बन जाता है। अन्य धर्म, भोग को बढ़ावा देते हैं जबकि हिंदू सनातन संस्कृति योग को बढ़ावा देती है।

इस प्रकार हिंदू धर्म के शास्त्रों, पुराणों एवं वेदों में किसी भी जीव के दिल को दुखाने अथवा उसकी हत्या को निषिद्ध बताया गया है जबकि अन्य धर्म के शास्त्रों में इस प्रकार की बातों का वर्णन नहीं मिलता है। इसी कारण के चलते हिंदू धर्म को मानने वाले अनुयायी बहुत कोमल स्वभाव एवं पूरे विश्व में निवास कर रहे प्राणियों को अपने कुटुंब का सदस्य मानने वाले होते हैं। बचपन में ही इस प्रकार की शिक्षाएं हमारे बुजुर्गों द्वारा प्रदान की जाती हैं। इसका प्रमाण भी इस रूप में दिया जा सकता है कि पूरे विश्व में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां इस्लाम मजहब को मानने वाले लगभग सभी फिरके पाए जाते हैं। ईरान में मूल रूप से पारसी निवास करते थे, आज ईरान में केवल इस्लाम के अनुयायी ही पाए जाते हैं और पारसी उनके मूल देश में ही निवासरत नहीं हैं जबकि भारत में पारसी अच्छी संख्या में निवास कर रहे हैं। इसी प्रकार जब इजराइल पर इस्लाम के अनुयायियों का हमला हुआ था तब वहां के मूल निवासी यहूदी भी भारत में आश्रय लेने के उद्देश्य से आए थे और आज भारत में भी यहूदी बिना किसी भेदभाव के आनंद पूर्वक अपना जीवन यापन कर रहे हैं। विश्व के लगभग सभी धर्मों के विभिन्न फिरकों के अनुयायी भारत में भाई चारा निभाते हुए प्रसन्नता पूर्वक निवास कर रहे हैं। इसी कारण से अब वैश्विक स्तर पर यह विश्वास बनता जा रहा है कि विश्व में तेजी से फैल रहे आतंकवाद का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति में ही दिखाई देता है। (लेखक सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक,भारतीय स्टेट बैंक)

01मई श्रमिक दिवस पर........

न्यूनतम मजदूरी के लिए अब तक तरस रहे कर्मवीर !

जिन मजबूत और बलिष्ठ कंधों पर विश्व की उन्नति का दारोमदार टिका है उन सृजनकर्ताओं को एक मई का दिन समर्पित है। इन्हें ही हम मजदूर अथवा श्रमिक नाम से जानते हैं। दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं जो श्रमिकों के बिना संपन्न हो सके। आप कह सकते हैं कि यह सौ फीसदी सत्य नहीं है। कॉर्पोरेट जगत से लेकर सी ए और डॉक्टर इंजीनियर श्रमिकों के बिना ही अपना हुनर दिखाते हैं ! जरा गौर करें जिस ए सी कमरे में ऐसे पेशेवर अपनी विद्वता का परिचय देते हैं , उन कमरों की एक..एक चीज दहाड़ मारते हुए श्रमिकों का गुणगान कर रही होती है। मसलन वहां लगे फर्नीचर , विद्युत स्विच बोर्ड , पंखे, ए सी और सबसे बड़ी बात वह चहार दिवारी जहां शान से विराजकर ऐसे लोग खुद की छाती चौड़ी करते दिखाई पड़ रहे होते हैं ,सबमें बिना श्रमिक के कल्पना असंभव है। वास्तव में राष्ट्र की प्रगति एवं राष्ट्रीय हितों की पूर्ति की मुख्य बैसाखी इन्हीं के कंधों पर टिकी देखी जा सकती है। वह मजदूर वर्ग ही है जो अपनी हाड़तोड़ मेहनत के बल पर किसी भी देश की प्रगति और विकास के पहिए को गति प्रदान करता है, और इसमें डीजल, पेट्रोल तथा हर प्रकार की ऊर्जा उसके पसीने के रूप में काम करती है।

पूरे विश्व में अपने कर्म को ही पूजा समझने वाला श्रमिक वर्ग ही आज अपनी कल्याणकारी योजनाओं के लिए तरस रहा है। इससे बड़ी विडंबना और नहीं हो सकती। हम साल दर साल यह देखते आ रहे हैं कि एक मई के दिन बगुलाभागत अचानक प्रकट हो जाते हैं और देश भर में मजदूरों के हितैषी बनने का स्वांग रचते हुए उनके हित की बात करते बड़ी.. बड़ी सभाओं में डींगें हांकने से पीछे नहीं रहते हैं। वास्तव में उक्त सभी आयोजन दिखावे की कहानी ही बनते रहे हैं। बड़े.. बड़े लुभावने वादों से श्रमिकों की सारी तकलीफें दूर कर देने की बात करने वाले ऐसे लोगों का चेहरा दूसरे ही दिन से शोषण करने वाले प्रशासक के रूप में सामने आने लगता है। पानी की तरह साफ और पवित्र हृदय लिए सभा .. सोसायटियों में उपस्थित यही मजदूर वर्ग लोक.. लुभावनी और चिकनी..चुपड़ी बातों को अपने हित का विषय मानते हुए तालियों की गड़गड़ाहट के बीच जयकारों के साथ अपने उन्हीं घरों में लौट पड़ता है , जहां उसकी कठिनाइयां और समस्याएं रोज की तरह उसका स्वागत करने बेचैन रहती हैं। ÷ रात गई और बात गई ÷ की तर्ज पर दूसरे ही दिन अर्थात दो मई से वह पुनः 364 दिनों के लिए उसी शोषण ,अपमान और जिल्लत तथा गुलामी जैसा जीवन जीने अभिशप्त हो चलता है। अब तो वह समय भी आ गया है जब 01 मई को भी इस वर्ग को छुट्टी न देकर कोल्हू के बैल की तरह घानी में पेरते हुए चक्कर लगवाया ही जाता है।

ऐसी विषम और शोषणकारी परिस्थिति में मेरे मन में सवाल उठ रहा है -आखिर मजदूर दिवस किसके लिए मनाया जाता है ? क्या यह दिवस बड़े- बड़े उद्योगपतियों की मजदूरों के लिए कही गई झूठी बातों को सुनने का ही पर्याय है ? क्या मजदूरों को एक दिन सम्मानित कर देने भर से उसके संकटों का निपटारा हो जाता है ? आप कहेंगे वास्तव में ऐसे सवाल उठना लाजिमी है। फिर मजदूर दिवस क्यों मनाया जाए ? शायद इन यक्ष प्रश्नों का उत्तर सरकार के पास भी नहीं ! बावजूद इसके यक्ष रूपी राक्षस उत्तर न देने पर इन शोषकों के प्राण क्यों नहीं हर रहा है ? अपने विशेष दिवस पर भी मजदूर उत्साह न मनाते हुए पसीना बहाने विवश है ! कारण यह कि यदि वह काम नहीं करेगा तो शाम को उसके घर चूल्हा कैसे जलेगा ? स्वतंत्रता के बाद इन मजदूरों के हितों में कोई कानून नहीं बना ऐसा कहना उचित नहीं है। बड़े- बड़े श्रम कानूनों के अस्तित्व में आने के बावजूद हमारी प्रशासनिक व्यवस्था लचर दिखाई पड़ रही है , जो मजदूरों को उनके श्रम का उचित मूल्य भी नहीं दिला पा रही है। ऐसी व्यवस्था को देखते और समझते हुए मैं तो यही कह सकता हूं -÷ श्रमिकों के लिए बने कानून ढोल का पोल ÷ ही साबित हो रहे हैं। अपना खून चुसवाता मजदूर शायद इस भय से विरोध प्रकट नहीं करता कि कहीं उसे काम से न निकाल दिया जाए ? परिवार के भरण - पोषण के साथ श्रनिकाले जाने की भयानक तस्वीर आंखों के सामने नाचती दिख जाती है , जिसके चलते मजदूर हर जुल्म सहने तत्पर दिख रहा है ! देश में समय - समय पर मजदूरों के लिए नए सिरे से मापदंड निर्धारित किए जाते हैं ,किंतु क्रियान्वयन किन अंशो पर हो पा रहा है इस पर सरकार और सरकारी अधिकारी मौन हैं ! मजदूरों की समस्याओं का समाधान निकालने श्रम मंत्रालय भी अस्तित्व में है ,किंतु इसकी भूमिका भी हमेशा से संदेह के दायरे में ही रही है। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि मजदूरों को मिलने वाली न्यूनतम मजदूरी की घोषणाएं विधानसभाओं से लेकर संसद तक में समय - समय पर होने तथा बजट प्रावधान में स्थान दिए जाने के बावजूद भी देश भर में 40 करोड़ से अधिक मजदूरों में से महज 4 से 5 करोड़ मजदूरों को ही न्यूनतम मजदूरी का लाभ मिल पा रहा है। शेष 35 से 36 करोड़ मजदूर आज भी न्यूनतम मजदूरी से महरूम हैं ! बड़े दुःख के साथ लिखना पड़ रहा है कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी हम ऐसी व्यवस्था नहीं बना पाए हैं, जिससे मजदूर की मजदूरी को गर्व के साथ गुजारा लायक कहा जा सके ! जहां तक बात की जाए शोषण की तो ऐसा कोई कार्य स्थल नहीं जहां मजदूरों का खुले आम शोषण न किया जा रहा हो ! श्रमिक दिवस पर विचारों को कलमबद्ध करते हुए मुझे वह तस्वीर भी दिखाई पड़ रही है जो निजी संस्थानों के अलावा देश की सरकारों के चरित्र को उजागर कर रही है। अब देश के युवाओं को बेरोजगार करने के साथ ही सरकारों ने हर विभाग में अनुबंध पर नौकरियां देते हुए लोगो के हितों पर कुठाराघात करना भी शुरू कर दिया है ! देश भर के उच्च शिक्षा संस्थान इसके सबसे बड़े उदाहरण कहे जा सकते हैं। महाविद्यालयों में प्राध्यापकों की कमी अतिथि प्राध्यापक और संविदा प्राध्यापक की नियुक्ति द्वारा पूरी कर अरबों रुपए जिन पर इन शिक्षाविदों का हक है , उसे भी सरकारें डकार रही हैं ! तब हम कैसे कह सकते हैं कि एक मई श्रमिकों का दिवस है और वे इसे उत्साह पूर्वक मनाने का जज्बा रखते हैं।

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छ. ग.)
9425559291.

टी20 युवाओं का खेल, उम्रदराज हांफे !

(मनीष कुमार जोशी)

आईपीएल 2022 से लोगों की यह धारणा बलवती हो गई कि टी20 क्रिकेट पूर्ण रूप से युवाओं का खेल है। इस खेल में आपको चीते जैसी फुर्ती और बाघ जैसी चपलता चाहिए। आइपीएल 2022 में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से सभी हतप्रभ हैं और यही कारण है कि रैना जैसे खिलाड़ी इस समय कमेंट्री बाक्स में बैठे हैं। इस साल की आइपीएल उम्रदराज खिलाड़ियों को खारिज कर रहा है।

उम्रदराज हो रहे विराट और रोहित शर्मा का सुपर फ्लाप होना युवा होते खेल का परिणाम है। इसके बावजूद कुछ टीमों ने उम्रदराज खिलाड़ियों पर भरोसा किया है परन्तु आइपीएल के पहले दौर के समाप्त होते होते उम्रदराज युवा खिलाड़ियों को पछाड़ नहीं पाए हैं। यह कहा जा रहा है कि आने वाले आइपीएल में उम्रदराज खिलाड़ियों की संख्या न के बराबर रह जाएगी। परन्तु उम्रदराज खिलाड़ियों ने कई मौकों पर अपने अनुभव से अपनी टीम की नैया पार लगाई है। मुंबई इंडियंस के विरुद्ध महेन्द्रसिंह धोनी ने अनुभव के दम पर अंतिम चार गेंदो में 16 रन बनाकर टीम को विजय दिलाई है। धोनी के खेल को देखकर लगता है कि अभी उनमे कहीं थोड़ी सी क्रिकेट बाकी है। आइपीएल शुरू हुआ तब टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का होना जरूरी माना गया था। सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीरेन्द्र सहवाग, वीवीएस लक्ष्मण, हरभजन सिंह और जहीर खान जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को टीमों ने साथ रखा था। हरभजन सिंह तो अभी दो वर्ष पहले तक आइपीएल का हिस्सा रहे हैं। लेकिन इन दो साल में पानी बहुत बह चुका है। अब अनुभव की नहीं चपलता की जरूरत है। यदि आपके पास चपलता और शक्ति है तो टीम आपको रोकेगी चाहे आप कितने ही छोटे खिलाड़ी हैं। आज 2022 में गति, शक्ति और जोखिम का बोलबाला है। जो खिलाड़ी जितनी गति से जोखिम लेगा वह ही सफल है। पलिकल, रितुराज गायकवाड़, नटराजन, उमराब, रवि विश्नोई जैसे युवा शानदार सफलता अर्जित कर रहे हैं। ब्रावो, रिद्धिमान साहा और नबी जैसे उम्रदराज खिलाड़ी गेंद और बल्ले के साथ संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। यहां तक धोनी भी बल्ले से संघर्ष करते दिख रहे हैं। फिर भी कई मौकों पर इन अनुभवी उम्रदराज खिलाड़ियों ने अपनी उपयोगिता साबित की है। अब जब आइपीएल 2022 का पहला दौर समाप्त होने को है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि थोड़े बहुत उम्रदराज खिलाड़ियों को अब तक प्रदर्शन क्या रहा है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्रसिंह धोनी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों में से एक हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर खेल रहे 40 साल के धोनी अब तक बल्ले से संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। मुंबई इंडियंस के विरुद्ध उन्होने जरूर अपने अनुभव की झलक दिखलाई थी जब चेन्नई सुपर किंग्स को अंतिम चार गेंदों में सोलह रनों की जरूरत थी तो अपने अनुभव से टीम को विजय दिलाई।

यहां जरूर महसूस हुआ कि टीम को उनके अनुभव का लाभ मिल रहा है। धोनी ने इस बार आइपीएल में केकेआर के विरुद्ध 50 रन बनाए हैं जो अब तक सर्वाधिक हैं। मुंबई इंडियंस के विरुद्ध 13 गेंद में 28 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कुल मिलाकर 40 वर्षीय धोनी युवाओं से काफी पीछे छूट रहे हैं परन्तु अपने अनुभव का पूरा लाभ चेन्नई सुपरकिंग्स को दे रहे हैं। वे मैदान में रविन्द्र जडेजा को कप्तानी में सहयोग करते दिखते हैं। नाजुक मौकों पर संयम से बल्लेबाजी करते हुए साथी बल्लेबाजों को सलाह देते हुए दिखते हैं। धोनी अपने अंदर की सारी क्रिकेट अपनी टीम के लिए उड़ेल रहे हैं। धोनी की तरह ही फेफ डु प्लेसिस भी उम्रदराज हैं और अपनी बची हुई क्रिकेट को पूरी तरह से टीम को दे रहे हैं। प्लेसिस आरसीबी के कप्तान हैं और उनके कंधों पर बड़ी भारी जिम्मेदारी है। दो मैचों को छोड़कर वे अपने बल्ले के साथ संघर्ष कर रहे हैं। पहले मैच में पंजाब किंग्स इलेवन के विरुद्ध उन्हाने 88 रन बनाए।

विकास की राह में रोड़ा न बनें नियम

जो लोग यह मानते हैं कि भारत का विकास आज से पहले ऐसे संभव नहीं था, वे अक्सर देश के विशाल नियामक और अनुपालन (नियम-पालन) तंत्र को लेकर निराश भी दिखते हैं। कभी-कभी वे नाराज और क्रोधित भी हो जाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह व्यवस्था भारत के तेज विकास की कहानी में अड़चन और रुकावट पैदा करती है। माना यही जाता है कि कई बेईमानों, ठगों और प्रत्यक्ष धोखेबाजों केचलते खूब रुकावटेंपैदा होती हैंऔर हमारा विशाल तंत्र भारत में कारोबार को किसी दुस्वप्न सरीखा बना देता है।

(मकरंद आर परांजपे, प्रोफेसर, जेएनयू)

जो लोग यह मानते हैं कि भारत का विकास आज से पहले ऐसे संभव नहीं था, वे अक्सर देश के विशाल नियामक और अनुपालन (नियम-पालन) तंत्र को लेकर निराश भी दिखते हैं। कभी-कभी वे नाराज और क्रोधित भी हो जाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह व्यवस्था भारत के तेज विकास की कहानी में अड़चन और रुकावट पैदा करती है। माना यही जाता है कि कई बेईमानों, ठगों और प्रत्यक्ष धोखेबाजों केचलते खूब रुकावटेंपैदा होती हैंऔर हमारा विशाल तंत्र भारत में कारोबार को किसी दुस्वप्न सरीखा बना देता है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा हाल ही में जारी की गई 'जेल्ड फॉर डूइंग बिजनेस' रिपोर्ट में चौंकाने वाली 69,233 तरह की अद्वितीय मंजूरियां और औपचारिकताएं सूचीबद्ध की गई हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट गौतम चिकरमने और अवंतिस रेगटेक के सह-संस्थापक व सीईओ ऋषि अग्रवाल द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि 26,134 मंजूरियों या औपचारिकताओं की पालना अगर न हो, तो बतौर दंड कारावास तक की सजा हो सकती है। सबसे अधिक नियम-पालन पर जोर देने वाले राज्यों में से जिन पांच सूबों में सर्वाधिक कारावास संबंधी प्रावधान हैं, वे हैं- गुजरात (1,469), पंजाब (1,273), महाराष्ट्र (1,210), कर्नाटक (1,175) और तमिलनाडु(1,043)। मगर निराशाजनक है कि सख्त अनुपालन व्यवस्था के बावजूद, जिसमें तमाम नियम मौजूद हैं व कठोर धाराएं भी लगाई जाती हैं, लेकिन असली अपराधी कानून के लंबे हाथों से बार-बार बचते दिखाई पड़ते हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विकास की इन बाधाओं से पूरी तरह परिचित हैं। 21 अप्रैल को आयोजित 15वें सिविल सेवा दिवस के कार्यक्रम का इस्तेमाल उन्होंने न सिर्फ लोक प्रशासन में उत्कृष्ट काम करने वाले नौकरशाहों को पुरस्कृत करने के लिए किया, बल्कि यह संदेश भी घर-घर पहुंचा दिया कि हमारी नौकरशाही अपने जटिल प्रशासनिक व्यवस्था के कारण भारत के विकास में एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। भारतीय

जनता पार्टी द्वारा साल 2013 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नाम की घोषणा होने के बाद अपने शुरुआती अनुभवों को याद करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा, जब मेरी पार्टी ने पहली बार 2013 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में मेरे नाम की घोषणा की थी, तब मुझे दिल्ली में कारोबारी समुदाय ने बुलाया था। मैंने उनके बीच एक भाषण दिया। तब 2014 के आम चुनाव होने में चार से छह महीने की देरी थी। जब उन्होंने मुझसे पूछा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मैं क्या करूंगा, तब मैंने कहा, मैं हर दिन एक कानून खत्म करूंगा, कोई नया कानून मैं नहीं बनाऊंगा। यह सुनकर वे चौंक गए थे। और, अपने पहले पांच वर्षों में मैंने 1,500 कानून खत्म भी किए।

बिना किसी लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने कहा, यह आप जानते ही हैं कि इस तरह के सैकड़ों कानून अपने देश में रहे हैं, जिनको मैं भारत के नागरिकों के लिए बोझ समझता हूं। आप मुझे बताइए, आखिर हमें ऐसे कानूनों को क्यों ढोना चाहिए? आज भी मेरी यही राय है कि इस तरह के कई कानून, जो बेकाम हो चुके हैं, उनके खिलाफ हम कुछ पहल क्यों नहीं करते? उनको खत्म क्यों नहीं कर देते? देश को इस गैर-जरूरी जाल से बाहर निकालना ही होगा।

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की मंच पर मौजूदगी के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नागरिकों से नियम-पालन की अंतहीन मांग करने वाली इस व्यवस्था पर बोलना जारी रखा। उन्होंने कहा, इसी तरह, हम नागरिकों से सभी प्रकार के नियम अनुपालन की मांग करते रहते हैं। मैंने कैबिनेट सचिव से कहा कि जब तक हम बाकी दुनिया के लिए (अपने सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी आउटसोर्सिंग के माध्यम से) काम करने की कोशिश कर रहे हैं, आपको इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि देश इन नियमों के पालन से मुक्त होगा; नागरिकों को हमें आजाद करना ही चाहिए। आजादी के इस 75वें वर्ष में आप नागरिकों को इस जाल में क्यों फंसा रहे हैं? और, एक कार्यालय में छह लोग काम करने बैठे होंगे, हर टेबल वाले को काम की पूरी जानकारी होगी, फिर भी वे अलग से पूछेंगे, टेबल की साइड से वे कुछ नहीं करेंगे।

यहां मैं फिर से 'जेल्ड फॉर डूइंग बिजनेस' रिपोर्ट पर लौटता हूं। इसकी सामग्री को पिछले सात वर्षों में टीम लीज और रेग टेक ने शिद्दत से जमा किया है। इसके मोनोग्राफ में श्रम, वित्त व कराधान, पर्यावरण, स्वास्थ्य व सचिव के कार्य को लेकर सुरक्षा, वाणिज्यिक, उद्योग-केंद्रित और सामान्य क्षेत्र जैसे सात व्यापक श्रेणियों में रिपोर्ट के नतीजे बांटे गए हैं। नियामक न सिर्फ अतिरिक्त लाभ कमाने वाले, बल्कि गैर-लाभकारी संस्थानों की राह में भी बाधाएं उत्पन्न करता है। यही वजह है कि भारत में न केवल कोई कारोबार करना या नया संस्थान शुरू करना कठिन है, बल्कि उसे बंद करना तो कहीं ज्यादा दुरूह काम हो जाता है। जैसा कि टीम लीज के अध्यक्ष मनीष सभरवाल भी कहते हैं, भारत में नियोक्ता संबंधी अनुपालनों का अत्यधिक अपराधीकरण भ्रष्टाचार को जन्म देता है, औपचारिक रोजगार को कुंद करता है और न्याय में जहर घोलता है।

यह रिपोर्ट तमाम तरह की सिफारिशों से भरी हुई है, जिनमें व्यावसायिक नियमों और विनियमों को युक्तिसंगत बनाना, आपराधिक दंड को नियंत्रित करना और व्यापक नीतिगत सुधार शामिल हैं। देश के अनुपालन तंत्र या आम लोगों को सेवा देने वाली व्यवस्थाओं के पुनर्गठन से न केवल भारत में सामान्य कारोबारी माहौल बेहतर बन सकेगा, बल्कि इससे विभिन्न तरीके से पैसे कमाने वाले, नवाचार में विश्वास रखने वाले, उद्यमी और बड़े-बड़े उद्योगपतियों की गरिमा भी सुरक्षित रहेगी।

सिविल सेवकों के लिए प्रधानमंत्री का यह आह्वान केंद्र सरकार के साथ-साथ, देश के विभिन्न राज्यों, उनके विभिन्न मंत्रालयों व विभागों और पूरे देश के लिए एक व्यापक सुधार प्रक्रिया को शुरू करने का बेहतर मौका दे रहा है। यह निश्चय ही भारत को समृद्धि और खुशहाली की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1ए-1, 1ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला में स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा : यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) : इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए) : यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

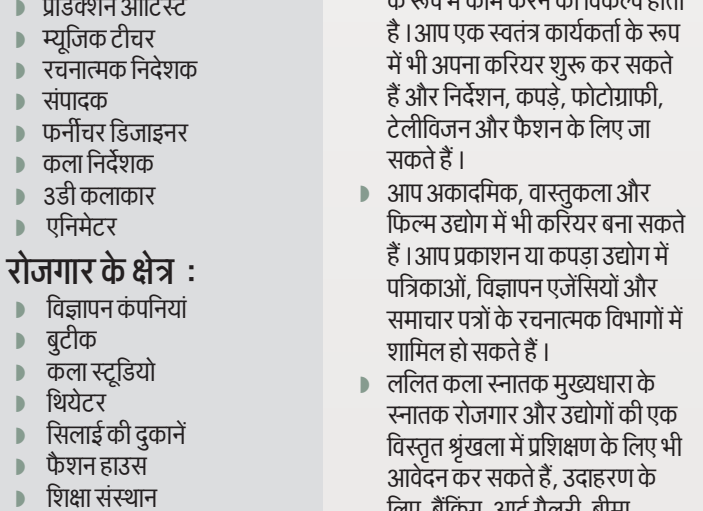

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र

कोरोना की चौथी लहर की आहट

देश में संक्रमण के 3324 नए मामले 40 की मौत; दिल्ली में रफ्तार तेज

नई दिल्ली

बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 3324 नए मामले सामने आए, वहीं 40 लोगों की मौत हो गई। जबकि 2800 लोग ठीक हुए। चौथी लहर की आशंका के बीच सबसे ज्यादा मामले दिल्ली से हैं। यहां 1520 नए मामले दर्ज किए गए। एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या भी बढ़कर 19,092 हो गई है। दिल्ली में सबसे अधिक पॉजिटिविटी रेट 5.10त्न दर्ज किया गया। राहत की बात ये रही कि यहां केवल 1 मौत हुई। दिल्ली में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 5716 हो गई, जो 9 फरवरी के बाद सबसे ज्यादा है।

वहीं, महाराष्ट्र में 155 नए मामले सामने आए। यहां 998 एक्टिव केस और पॉजिटिविटी रेट 1त्न है। सबसे ज्यादा 94 मामले मुंबई में दर्ज किए गए। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर राजेश टोपे ने रविवार को कहा- अगर मामले ऐसे ही लगातार बढ़ते रहे तो हमें मास्क अनिवार्य करना पड़ेगा।

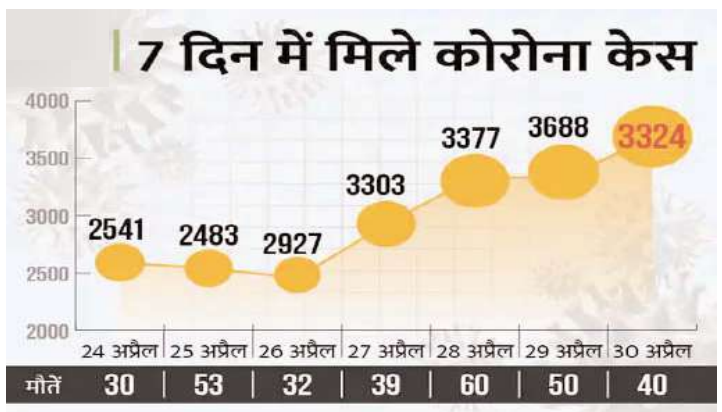

क्या कहते हैं केंद्र सरकार के आंकड़े

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कुल एक्टिव केस की संख्या 19 हजार के पार हो गई है। वहीं, एक्टिव केस कुल संक्रमण का 0.04 फीसदी दर्ज किया गया। हालांकि, कुल 2800 पेशेंट्स के ठीक होने के बाद रिकवरी रेट 98.74 फीसदी पर पहुंच गया है। टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह की एक समिति ने सिफारिश की है कि रूस के कोविड-रोधी टीके स्पूतनिक-वी की दोनों खुराक ले चुके लोगों को इस टीके की पहली खुराक को बूस्टर के तौर पर दिया जा सकता है। मालूम हो कि स्पूतनिक-वी टीके की दोनों खुराक की रचनाएं अलग-अलग हैं। अभी

- स्पुतनिक-वी को रशियन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड (RDFI) ने फाइनेंस किया है।
- स्पुतनिक-वी एक वायरल वेक्टर वैक्सीन है। इसे एक की बजाय दो वायरस से बनाया गया है।
- इसमें दोनों डोज अलग-अलग होते हैं, जबकि कोवैक्सीन और कोवीशील्ड के दो डोज में अंतर नहीं है।
- इसकी पहली खेप 1 मई 2021 को भारत आई थी।

स्पूतनिक-वी वैक्सीन के दोनों डोज लगवा चुके लोगों के लिए बूस्टर डोज के बारे में कोई नीतिगत निर्णय नहीं था। कोविन पोर्टल पर स्पूतनिक-वी के लिए बूस्टर डोज को लेकर कोई विकल्प नहीं दिखाई देता है। इस कारण पिछले साल जुलाई में स्पूतनिक-वी टीके की दूसरी खुराक ले चुके लोग बूस्टर खुराक नहीं लगवा पा रहे थे। इस वैक्सीन की दोनों डोज को 21 से 30 दिन के अंतर से लगवाया जा सकता है। देश में करीब 6 लाख लोगों ने यह वैक्सीन लगवाई है।

पटियाला हिंसा का मास्टरमाइंड परवाना गिरफ्तार

पंजाब पुलिस की स्पेशल 20 ने जगह-जगह की रेड; अब तक 9 आरोपी पकड़े गए

नई दिल्ली

पटियाला में खालिस्तान विरोधी मार्च के बाद हुई हिंसा में पुलिस ने धरपकड़ तेज कर दी है। पंजाब पुलिस की स्पेशल 20 टीमें पूरे राज्य में छापे मार रही है पिछले 24 घंटे में पुलिस ने हिंसा के मास्टरमाइंड बरजिंदर परवाना समेत 6 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।। पटियाला में ढ्ढत मुखविंदर सिंह छीना ने बताया कि इनमें 3 सिख कट्?टरपंथी, शिवसेना नेता हरीश सिंगला का साथी शंकर भारद्वाज भी शामिल है। सोशल मीडिया पर हेट स्पीच देने के मामले में गग्गी पंडित को भी पुलिस ने केस दर्ज कर अरेस्ट कर लिया है। इस मामले में हरीश सिंगला और दो सिख कट्?टरपंथी समेत 3 लोग पहले ही पकड़े जा चुके हैं। गिरफ्तार लोगों की संख्या अब 9 हो चुकी है।

पूरे राज्य में ताबड़तोड़ रेड:- आईजी छीना ने बताया कि स्स्क दीपक पारिख की अगुवाई में पटियाला पुलिस की 20 स्पेशल टीमें बनाई हैं, जो पूरे पंजाब में रेड कर रही हैं। परवाना को मोहाली से पकड़ा गया। इसके बाद पटियाला ले जाकर उसे गिरफ्तार किया गया। अब कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड में लेकर उससे पूछताछ की जाएगी। पटियाला हिंसा को लेकर सीएम भगवंत मान की नाराजगी के बाद पंजाब पुलिस ने बड़े स्तर पर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही है। मोबाइल टावर लोकेशन की जांच हो रही है। इसके अलावा हिंसा के वीडियो और सीसीटीवी फुटेज की जांच हो रही है। ढ्ढत छीना ने कहा कि ष्टरू भगवंत मान ने क्लियर इंस्ट्रक्शंस दी हैं कि सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट, भड़काऊ बयान, इजाजत के बिना धरना प्रदर्शन को बिल्कुल बर्दाश्त न किया जाए।

बरजिंदर परवाना पर अटेंप्ट टू मर्डर के दो केस:- बरजिंदर परवाना के बारे में पुलिस की जांच में कई बड़े खुलासे हुए। शिवसेना के खालिस्तान मुर्दाबाद मार्च के दौरान न सिर्फ परवाना ने सिख प्रदर्शनकारियों को लेकर प्रदर्शन करवाया। वह उन्हें काली माता मंदिर के नजदीक तक ले गया। जब हिंसा हुई और बवाल बढ़ा तो वह मुंह छुपाकर बाइक में बैठ वहां से भाग निकला।

पटियाला हिंसा से केंद्र अलर्ट : गृह मंत्रालय की पंजाब के हालात पर नजर; बॉर्डर स्टेट और पुरानी घटनाओं से बढ़ी चिंता

पटियाला

पटियाला में दो समुदायों के बीच हुई हिंसा से केंद्र सरकार भी अलर्ट हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय खुफिया तंत्र के जरिए पंजाब के हालात पर नजर रख रही है। पंजाब के बॉर्डर स्टेट होने से चिंता ज्यादा है। पंजाब का करीब 600 किमी एरिया पाकिस्तान से सटा हुआ है। वहीं इसी तरह की घटनाओं के बाद पंजाब में पहले हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक केंद्र को चिंता है कि बॉर्डर स्टेट में इस तरह की घटना होने से राज्य की शांति पर असर पड़ सकता है। बॉर्डर पार और विदेश में बैठी

देश विरोधी ताकतें अपने गलत मंसूबों को पूरा करने के लिए हालात का फायदा उठा सकते हैं।

अभी तक केंद्र का हस्तक्षेप नहीं

पटियाला हिंसा के मामले में अभी तक केंद्र ने सीधे तौर पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। सिख कट्?टरपंथियों और शिवसेना बाल ठाकरे के कार्यकर्ताओं में हुई हिंसक झड़प के बाद पंजाब पुलिस ही हालात संभाल रही है। केंद्र को इस संबंध में पूरी खुफिया जानकारी भेजी जा रही है। फिलहाल हालात अभी केंद्र के सीधे दखल वाले नहीं माने जा रहे हैं।

दिल्ली में सगी बहनों से दुष्कर्म: दो आरोपियों ने 14 साल और छह महीने की बच्चियों से रेप किया, पुलिस पर भी फायरिंग की

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में दो बहनों के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इनमें से एक बच्ची की उम्र महज छह महीने और दूसरी की उम्र 14 साल है, जो मानसिक रूप से अस्वस्थ है। पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरा आरोपी अभी फरार है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान 40 साल के कमल मल्होत्रा उर्फ चिनू के रूप में हुई है। वह जहांगीरपुरी का रहने वाला है। उसके पास से एक देशी पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस बरामद किया गया है। वहीं, दूसरे आरोपी का नाम राज उर्फ राजू है, जिसे पकड़ा नहीं जा सका है।

घर के पास ही दिया वारदात को अंजाम

बच्ची के माता-पिता ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उनकी दो बेटियां हैं - बड़ी बेटी 14 साल की है, जो मानसिक तौर पर स्वस्थ नहीं है और ठीक से बोल भी नहीं पाती है। वहीं, दूसरी बेटी 6 महीने की है। शुक्रवार शाम वह काम के बाद घर लौटे, तो उन्हें घर में बच्चियां नहीं मिलीं। तभी पत्नी ने पड़ोस में उनके रोने की आवाज सुनी और वह वहां पहुंची। वहां उसने चिनू और राजू को बच्चियों के साथ दुष्कर्म करते देखा। महिला को देखते ही दोनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि शनिवार को चीनू के समयपुर बादली मेट्रो स्टेशन के पास एक पार्क में होने की सूचना मिली थी। वहां पहुंचकर उसे सरेंडर करने के लिए कहा गया, लेकिन वह नहीं माना और फायरिंग कर दी।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब पुलिस का एक्शन

गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई और कनाडा बैठे गोल्डी बराड़ के 3 गुर्गे गिरफ्तार; बिजनेसमैन पर अटैक की थी प्लानिंग

पंजाब। पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। उन्होंने बठिंडा से 3 गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। यह तीनों जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई और कनाडा बैठे गोल्डी बराड़ के गुर्गे हैं। इन तीनों से 4 पिस्टल, 20 कारतूस और एक ढ्ढ20 कार बरामद की गई है। पकड़े गए तीनों आरोपी लवप्रीत सिंह उर्फ सचिन, हिम्मतवीर सिंह गिल और बलकरन उर्फ विक्की मुक्तसर के रहने वाले हैं। AGTF के DIG गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि उन्हें सीक्रेट इनपुट मिले थे। जिसके बाद इन तीनों को बठिंडा से गिरफ्तार किया गया। यह तीनों मालवा के एक बड़े बिजनेसमैन पर अटैक की प्लानिंग कर रहे थे। बिजनेसमैन से फिरौती वसूली जानी थी।

ड्रग्स और आर्म्स का रैकेट चलाते हैं आरोपी:- DIG ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपियों का क्रिमिनल बैकग्राउंड है। सचिन और हिम्मतवीर ड्रग स्मगलिंग और अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल हैं। वह पंजाब के अलावा हरियाणा और दिल्ली में यह रैकेट चलाते हैं। इन आरोपियों से जो हथियार बरामद हुए, वह टारगेट किलिंग के लिए अपने साथियों को डिलीवर किए जाने थे। उन्होंने कहा कि कनाडा बेस्ड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और जेल में बंद लॉरेंस विश्नोई के भाई अनमोल विश्नोई के कहने पर यह ह्यष्टक के गैंगस्टरों को छुपने के लिए ठिकाना मुहैया करवाते थे। हाल ही में दिल्ली पुलिस स्पेशल सैल के यूनिट काउंटर इंटेलिजेंस ने वांटेड गैंगस्टर शाहरूख को पकड़ा था। उससे पता चला कि सचिन और उसके साथियों ने ही पंजाब में छुपने के लिए जगह दी थी। इन सभी पर बठिंडा के सिविल लाइन पुलिस थाने में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज कर लिया गया है।

अमेरिका में फूड फेस्टिवल में फायरिंग

मिसिसिपी में मई दिवस का जश्न मना रहे लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी; एक की मौत, 5 घायल

वाशिंगटन

अमेरिका के मिसिसिपी शहर में एक फूड फेस्टिवल के दौरान फायरिंग की घटना सामने आई है, जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह फेस्टिवल 27 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाला था। मिसिसिपी में फायरिंग के तुरंत बाद लोकल पुलिस पहुंची और उसने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनसे पूछताछ की जा रही है। ऑफिसर टाइरी जोन्स ने बताया कि यह घटना उस वक्त घटी, जब लोग 1 मई की खुशी में वहां जश्न मना रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि इस घटना में कई अपराधी संलिप्त थे, जिसकी जांच हो रही है।

पंजाब के विधायक खुद भरेंगे इनकम टैक्स : सरकार नहीं करेगी अदायगी, कांग्रेस के वक्त सरकारी खजाने से दिया जाता रहा

पंजाब

जिन विधायकों का इनकम टैक्स सरकारी खजाने से भरा जाता रहा, उनमें 5 बार के आज प्रकाश सिंह बादल और कांग्रेस प्रधान रहे नवजोत सिद्धू का नाम भी शामिल रहा। खास बात यह है कि पंजाब में अब सत्ता में आई ढ्ढक के भी 15 विधायकों के नाम यह लाभ लेने वालों में शामिल रहे। जिनमें से अमन अरोड़ा, कुलवंत सिंह पंडौरी, प्रो. बलजिंदर कौर, बुधराम, कुलतार सधवां, गुरमीत सिंह मीत हेयर, सर्वजीत कौर माणुके और जयकिशन सिंह तो दूसरी बार विधायक बनकर आए हैं। इनमें कुलतार सधवां अब विधानसभा स्पीकर और गुरमीत मीत हेयर मंत्री बन चुके हैं। पिछली सरकार में ष्टरूरहे कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत कुछ नेता अपना इनकम टैक्स खुद भरते रहे हैं। इनमें उस वक्त विधानसभा में विपक्ष

के नेता और मौजूदा वित्त मंत्री हरपाल चीमा, मनप्रीत बादल, तृप्त राजिंदर बाजवा, सुखजिंदर रंधावा, सुख सरकारिया, बलवीर सिंह, ब्रह्म मोहिंदरा, गुरप्रीत कांगड़, भारत भूषण आशु, विधायक सिमरजीत बैंस व बलविंदर बैंस, कुलजीत नागरा समेत 24 विधायक शामिल थे।

जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टॉफ का दावा

राष्ट्रपति की हत्या करने प्रेसिडेंट ऑफिस पहुंच गए थे रूसी सैनिक, परिवार भी अंदर ही मौजूद था

कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के एक सहयोगी ने दावा किया है कि जंग की शुरुआत में ही रूसी सैनिक राष्ट्रपति और उनके परिवार को पकड़ने उनके घर तक पहुंच गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, 24 फरवरी को जंग शुरू होते ही रूस ने जेलेंस्की और उनके परिवार को पकड़ने और मारने की कोशिश की थी, हालांकि वे नाकाम रहे।

टाइम मैगजीन ने इनसाइड जेलेंस्की वर्ल्ड नाम से एक इंटरव्यू पब्लिश किया है। इसमें जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक ने दावा किया कि रूसी सैनिक राष्ट्रपति और उनके परिवार को पकड़ने आए थे। उन्होंने कहा- रूस के सैनिक कीव में दाखिल हुए, वे हर हालत में जेलेंस्की और उनके परिवार को पकड़ना चाहते थे।

17 साल की बेटी और 9 साल का बेटे के साथ थे जेलेंस्की

चीफ ऑफ स्टॉफ एंड्री यरमक के मुताबिक, 2 बार रूसी सैनिकों ने

ऑफिस परिसर में घुसने की कोशिश की थी। राष्ट्रपति के गार्ड ने परिसर को सुरक्षित करने का प्रयास किया। उन?होंने कहा- उस रात से पहले, हमने सिर्फ फिल्मों में ऐसी चीजें देखी थीं। जल्द ही ये साफ हो गया कि जेलेंस?की टारगेट थे और राष्ट्रपति कार्यालय भी अब सुरक्षित नहीं था। उन्होंने कहा- जेलेंस्की के दफ्तर और घर के बाहर गोलियों की आवाज सुनाई देने लगी। राष्ट्रपति के साथ पत्नी, 17 साल की बेटी और 9 साल का बेटा भी अंदर ही मौजूद थे। गार्ड्स ने गेट पर बैरिकेड्स और प्लाईवुड बोर्ड लगाकर कैंपस को सील कर दिया। वहीं, अंदर मौजूद गार्ड्स ने लाइट बंद कर दी।

वे जेलेंस्की और उनके सहयोगियों के लिए बुलेट प्रूफ जैकेट और असॉल्ट राइफल ले आए। उसमें से कुछ ही लोग ऐसे थे जो हथियार चलाना जानते थे।

जेलेंस्की बोले- दुश्मन का पहला टारगेट मैं...

इससे पहले जेलेंस्की ने एक वीडियो जारी कर भावुक अपील की थी। उन्होंने कहा था- मैं, मेरा परिवार और मेरे बच्चे सभी यूक्रेन में हैं। वे गद्दार नहीं हैं, वे यूक्रेन के नागरिक हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था कि मुझे पता चला है कि रूस का पहला टारगेट मैं हूं, वहीं मेरा परिवार उनका दूसरा टारगेट है। वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि रूस उन्हें खत्म कर यूक्रेन को राजनीतिक रूप से बर्बाद करना चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

कोलिंस और ओसाका मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में

मैड्रिड । पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने यहां मैड्रिड ओपन के पहले दौर में क्वालीफायर अनास्तासिया पोटापोवा पर 6-3, 6-1 की आसान जीत दर्ज की। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने अवसाद का हवाला देते हुए पिछले साल फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया था। आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंची डेनियल कोलिंस ने 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मोनिका पुईग पर 7-5 6-0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। जेसिका पेगुला और मारिया सकारी ने भी अपने मुकाबले जीते।

अनिर्बान लाहिड़ी ने लगातार दूसरा 68 का कार्ड खेला, संयुक्त 18वें स्थान पर

पुअर्तो वालार्ता (मेक्सिको) । भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने यहां 73 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि वाले मेक्सिको ओपन के दूसरे दौर में लगातार तीन अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं। लाहिड़ी का कुल स्कोर छह अंडर का है जिससे वह साथी एशियाई स्टार गोल्फर किराडेच अफिबारनरात के साथ संयुक्त रूप से 18वें स्थान पर चल रहे हैं। वहीं, एक अन्य भारतीय अर्जुन अटवाल 73 और 71 के कार्ड से कट हासिल करने से चूक गए। उनका स्कोर इवन पार का था और कट दो अंडर 140 का था।

नवजात बेटी के साथ दिखे क्रिस्टियानो रोनाल्डो

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी नवजात बेटी को पकड़े हुए सोशल मीडिया पर एक दिल दहला देने वाली तस्वीर पोस्ट की है। मैनचेस्टर यूनाइटेड स्टार और उनके साथी जॉर्जीना रोड्रिगेज ने इस महीने की शुरुआत में डिलिवरी के दौरान अपने नवजात बेटे को दुखद रूप से खो दिया था। जॉर्जीना के गर्भ में दो बच्चे थे जिनमें से सिर्फ एक को ही बचाया जा सका।

अंपायर से लड़ गए कोहली : थर्ड अंपायर के नो बॉल देने पर तिलमिलाए विराट, फील्ड अंपायर ने समझाया तो मुस्कुराने लगे

नई दिल्ली

आईपीएल 2022 में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली मैदान पर अंपायर से भिड़ गए। दरअसल, गुजरात की पारी के 9वें ओवर में शाहबाज अहमद बॉलिंग कर रहे थे और चौथी गेंद पर शुभमन गिल स्ट्राइक पर थे। गेंद गिल के पास से निकली और विकेटकीपर अनुज रावत के दस्तानों में गई। शुभमन के खिलाफ बेंगलुरु ने जोरदार अपील की और अंपायर ने भी उन्हें आउट करार दिया। गिल ने तुरंत रिव्यू ले लिया। रिप्ले में नजर आया कि गेंद बल्ले से लगे बिना अनुज के गलव्स में गई थी। अंपायर गिल को नॉट-आउट देने वाले थे, लेकिन तब थर्ड अंपायर ने विकेटकीपर के ग्लव्स पर निगाह डाली तो वो स्टम्प के आगे आ रहे थे।

ऐसे में नियमों के मुताबिक, इस बॉल को नो बॉल घोषित कर दिया गया। नियम के अनुसार, विकेटकीपर के ग्लव्स स्टम्प की लाइन के आगे नहीं आने चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो नो बॉल दी जाती है।

भड़क गए कोहली

थर्ड अंपायर के नो बॉल दिए जाने के बाद पूरी बेंगलुरु की टीम हैरान रह गई। विराट भी तुरंत ग्राउंड अंपायर के पास गए और इस बार में बात करने लगे। कोहली काफी गुस्से में नजर आ रहे थे और उन्होंने अंपायर से सवाल भी किया। अंपायर ने उनके सवाल का जवाब दिया, तो विराट भी हंस पड़े। वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है, जब कोहली अंपायर से जाकर भिड़ गए हो। इससे पहले भी कई बार विराट को मैदान पर अंपायर से उलझते हुए देखा गया है।

14 पारियों के बाद लगाई फिफ्टी

गुजरात के खिलाफ विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी की है। उन्होंने 53 गेंद में 58 रन की पारी खेली। उनके बल्ले से 6 चौका और 1 छक्का निकला। ये आईपीएल 2022 में विराट की पहली फिफ्टी है। 14 पारियों बाद विराट को दर्शकों के सामने बल्ला उठाने का मौका मिला। हालांकि, उनकी पारी थोड़ी धीमी रही और उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 109 का था। मैच में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 170/6 का स्कोर बनाया था। गुजरात के सामने 171 का टारगेट था, जिसे 19.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया। राहुल तेवतिया और डेविड मिलर ने एकबार फिर गुजरात की जीत में अहम भूमिका निभाई। तेवतिया ने मैच में 25 गेंद में 43 रन बनाए।

चेन्नई की कमान फिर धोनी के हाथ

वीरू ने कहा- माही के बगैर चेन्नई का कुछ नहीं हो सकता, इरफान ने महसूस किया दर्द

नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी में बडा बदलाव हुआ है और महेंद्र सिंह धोनी ने दोबारा टीम की कमान संभाल ली है। रवींद्र जडेजा ने कप्तानी मिलने पर पहले कहा था कि उन्हें कप्तानी सौंपने को लेकर महेंद्र सिंह धोनी ने लास्ट सीजन में बताया था और वह इसके लिए पहले से तैयार थे। हालांकि अब बीच सीजन कप्तानी छोड़कर सर जडेजा ने सबको चौंका दिया है। उनके इस निर्णय के बाद कई दिग्गाज खिलाड़ियों के रिएक्शन सामने आ रहे हैं।

वीरू ने कहा कि अगर माही कप्तान नहीं होंगे तो चेन्नई का कुछ नहीं हो सकता:- क्रिकबज से बात करते हुए मुल्तान के सुल्तान कहे जाने वाले वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि मैं यह बात पहले दिन से कह रहा था कि यदि महेंद्र सिंह धोनी कप्तान नहीं होंगे तो चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल में कुछ नहीं हो सकता। खैर, देर आए दुरुस्त आए। चेन्नई के पास अब भी मौका है। उनके पास काफी मैच बचे हुए हैं। वे चाहें तो वापसी कर सकते हैं। हमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

इरफान पठान ने महसूस किया जडेजा का दर्द:- किसी जमाने में स्विंग के सुल्तान कहे जाने वाले

इरफान पठान ने रवींद्र जडेजा के प्रति अपनी सहानुभूति जताई। उन्होंने लिखा कि मैं जडेजा का दर्द महसूस कर सकता हूं। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि इस तरीके से कप्तानी छोड़ने के कारण रवींद्र जडेजा का खेल प्रभावित नहीं हुआ होगा।

वसीम ने हल्के-फुल्के अंदाज में दी प्रतिक्रिया:- वसीम जाफर ने मजाकिया लहजे में ट्वीट करते हुए लिखा कि धोनी को दोबारा कप्तानी करते देखने के लिए हम इस वक्त हम जिस फीलिंग से गुजर रहे हैं, उसे डेजा वू कह सकते हैं। हालांकि ये जडेजा वू है।

धोनी जिस टीम में हैं, कप्तान वही होंगे : अजय जडेजा

शो मे वीरेंद्र सहवाग के साथ अजय जडेजा भी मौजूद थे। अजय के मुताबिक, जिस वक्त रवींद्र जडेजा को कप्तान बनाया गया तो उनके पास कोई और ऑप्शन मौजूद नहीं था। आज जब उनसे कप्तानी छीन ली गई है तब भी उनके पास कोई और ऑप्शन नहीं था। यदि महेंद्र सिंह धोनी किसी भी टीम में हैं तो उन्हें कप्तान बनना ही होगा।

निर्णय से चौंक गए पार्थिव

अजय जडेजा ने यही बात 2019 वर्ल्ड कप के दौरान भी कही थी। उस दौरान धोनी टीम में थे लेकिन कप्तानी नहीं कर रहे थे। 2019 वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने टीम की कप्तानी की थी और टीम इंडिया सेमीफाइनल में बुरी तरह हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। अजय ने आगे कहा कि उनका मत है, इस निर्णय के बाद रवींद्र जडेजा भी कहीं ना कहीं बेहद खुश होंगे। कप्तानी उनके कंधों पर हकीकत में एक बहुत बड़ा बोझ था। जडेजा के कप्तानी छोड़ने के बाद पार्थिव पटेल आश्चर्यचकित नजर आए। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि मैंने इसकी दूर-दूर तक कल्पना नहीं की थी।

टीम हित में धोनी ने स्वीकार की कप्तानी - चेन्नई मैनेजमेंट

चेन्नई की प्रेस रिलीज के मुताबिक, रवींद्र जडेजा ने अपने खेल पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कप्तानी छोड़ने का फैसला किया और धोनी से चेन्नई टीम का नेतृत्व करने का अनुरोध किया है। धोनी ने टीम के हित में ये अपील स्वीकारी है और खुद कप्तानी संभालने का फैसला लिया है।

हार के बाद अश्विन का बयान

ओस प्रभाव नहीं डालती तो 158 पर्याप्त स्कोर होता

नवी मुंबई

राजस्थान रॉयल्स के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपनी टीम की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियन्स के हाथों पांच विकेट से हार के बाद कहा कि यदि ओस अहम भूमिका नहीं निभाती तो 159 रन का लक्ष्य पर्याप्त होता। मुंबई ने इस मैच में जीत दर्ज करके आखिरकार आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपना खाता खोला तथा अपने कप्तान रोहित शर्मा को 35वें जन्मदिन का सर्वश्रेष्ठ उपहार दिया। मुंबई के सामने 159 रन का लक्ष्य था जो उसने 19.2 ओवर में हासिल कर दिया। उसकी तरफ से सूर्यकुमार यादव ने 51 और तिलक वर्मा ने 35 रन बनाये। अश्विन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'मुझे लगता है कि यदि ओस ने भूमिका नहीं निभाई होती तो यह स्कोर पर्याप्त होता, लेकिन बहुत अधिक ओस पड़ रही थी, इसलिए लगा कि हमने 10-15 रन कम बनाए। उन्होंने कहा, '158 प्रतिस्पर्धी स्कोर था। यह इससे जुड़ा था कि हमारी शुरुआत कैसे रही थी। हमने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया था और उनकी तुलना में एक विकेट अधिक लिया था। अश्विन ने कहा, 'इसलिए यह चुनौतीपूर्ण स्कोर था और हमने इस सत्र में जो भी स्कोर बनाया उसका अच्छा बचाव किया। हार दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन ओस ने अहम भूमिका निभाई। गेंद ओवरपिच हो रही थी और स्पिनरों का उपयोग आखिर में नहीं किया जा सकता था।

आईपीएल : 42 में से 18 मैच गेंदबाजों ने जिताए, यह 5 सीजन में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली

इस बार के आईपीएल को 'गेंदबाजों का आईपीएल कहना गलत नहीं होगा। आमतौर पर टी×20 को बल्लेबाजों का गेम माना जाता है, लेकिन इस बार गेंदबाजों ने इस धारणा में बदलाव किया है। शुक्रवार तक सीजन में 42 मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें 18 मैच गेंदबाजों ने जिताए हैं या फिर गेंदबाजी ऑलराउंडर्स ने। इन 42 मैच में 18 बार प्लेयर ऑफ द मैच गेंदबाज बना है, जो पांच सीजन में सबसे ज्यादा बार है। यानी शुरुआती 42 मैच में जितने गेंदबाजों को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है, उतना पांच सीजन में कभी नहीं चुना गया। इसमें भी दिल्ली कैपिटल्स के रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव सबसे ज्यादा 4 बार प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए हैं। वे मौजूदा सीजन में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड पाने वाले खिलाड़ी भी हैं। इस बार टॉप-5 विकेटटेकर में दो स्पिनर (चहल, कुलदीप) और तीन पेसर (उमरान, नटराजन, उमेश) हैं।

पांच सीजन में सिर्फ दो बार 500 से ज्यादा विकेट गिरे

इस सीजन में शुक्रवार तक 519 विकेट गिर चुके हैं, यह पिछले सीजन से 26 विकेट ज्यादा है। पांच सीजन में सिर्फ दूसरा मौका है, जब शुरुआती 42 मैच में 500+ विकेट गिरे।

सीजन में 17 बार 4 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं गेंदबाज

मौजूदा सीजन में गेंदबाज 17 बार 4 या उससे ज्यादा विकेट ले चुके हैं। यह पांच सीजन में रिकॉर्ड है। 2021 में 13 बार, 2020 में 8 बार, 2019 में 10 बार और 2018 में 9 बार गेंदबाजों ने 4 या उससे ज्यादा विकेट लिए थे। इस सीजन में तीन गेंदबाजों ने 2-2 बार 4+ विकेट लिए हैं। उमरान और चहल एक-एक बार 5 विकेट भी ले चुके हैं।

पुजारा का काउंटी क्रिकेट में डबल सेंचुरी

मोहम्मद अजहरुद्दीन की 28 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की; पाकिस्तानी बल्लेबाज रिजवान के साथ154 रन की पार्टनरशिप

नई दिल्ली

काउंटी क्रिकेट में ससेक्स की ओर से खेल रहे भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने डरहम के खिलाफ डबल सेंचुरी जड़कर पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन की 28 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। पुजारा ने 334 गेंदों पर 203 रन की पारी खेली। पुजारा का इस सीजन में दूसरा डबल सेंचुरी है। इससे पहले उन्होंने पिछले हफ्ते डर्बीशायर के खिलाफ शानदार 201 रन बनाए थे। पुजारा ने इस सीजन खेली गई 5 पारियों में 6 (15), 201* (387), 109 (206), 12 (22), 203 (334) रन का स्कोर किया है।

अजहरुद्दीन ने 1991 और 1994 में दो डबल सेंचुरी लगाई थी

पुजारा काउंटी क्रिकेट में दो डबल सेंचुरी लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले अजहरुद्दीन ने 1991 और 1994 में ऐसा कारनामा कर चुके हैं।

उन्होंने 1991 में लीसेस्टरशायर के खिलाफ 212 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद अजहर ने साल 1994 में डरहम के खिलाफ 205 रन बनाए थे। उन्होंने अपने दोनों दोहरे शतक डरहम के खिलाफ बनाए थे।

पाकिस्तानी खिलाड़ी के साथ154 रन की साझेदारी

पुजारा ने पाकिस्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर ससेक्स के लिए 154 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने मिलकर करीब 11 घंटे बल्लेबाजी की। पुजारा ने 455 मिनट बल्लेबाजी की, जबकि रिजवान ने 176 मिनट तक क्रीज पर रहे। पुजारा ने 334 गेंदों का सामना कर 203 बनाए। जिसमें 24 चौक्का भी शामिल है। वहीं रिजवान ने 145 गेंदों का सामना कर 79 रन बनाए। इसमें 7 चौके भी शामिल है।

ससेक्स ने पहली पारी में 315 रन की बढ़त ली:- ससेक्स ने अपनी पहली पारी में 538 रन बना दिए। वहीं डरहम ने पहली पारी में 223 रन ही बना सकी। इस तरह पहली पारी के आधार पर ससेक्स ने 315 रन की बढ़त ली।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज़ ब्रीफ

मारुति की थोक बिक्री अप्रैल में छह प्रतिशत घटकर 1,50,661 इकाई पर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की थोक बिक्री अप्रैल अप्रैल, 2021 में कंपनी ने 1,59,691 वाहन बेचे थे। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि अप्रैल में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री सात प्रतिशत घटकर 1,32,248 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,42,454 इकाई थी। समीक्षाधीन महीने में कंपनी की छोटी कारों- आल्टो और एस-प्रेसो की बिक्री 32 प्रतिशत घटकर 25,041 से 17,137 इकाई पर आ गई। इसी तरह कॉम्पैक्ट खंड में कंपनी की बिक्री 18 प्रतिशत घटकर 59,184 इकाई रह गई। इस खंड में कंपनी स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसे मॉडल बेचती है। अप्रैल, 2021 में इस खंड में कंपनी की बिक्री 72,318 इकाई रही थी। मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री अप्रैल, 2021 के 1,567 इकाई के आंकड़े से घटकर 579 इकाई रह गई। हालांकि, यूटिलिटी वाहनों...मसलन विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा की बिक्री 33 प्रतिशत के उछाल से 33,941 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान महीने में 25,484 वाहन रही थी। अप्रैल में कंपनी का निर्यात सात प्रतिशत बढ़कर 18,413 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 17,237 इकाई रहा था।

आईओसी ने प्रायोगिक तौर पर मेथनॉल के मिश्रण वाला पेट्रोल उतारा

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने असम के तिनसुकिया जिले में 15 प्रतिशत मेथनॉल के मिश्रण वाले पेट्रोल 'एम15' को प्रायोगिक (पायलट) तौर पर उतारा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत और आईओसी के चेयरमैन एस एम वैद्य की उपस्थिति में शनिवार को 'एम15' पेट्रोल जारी किया। तेली ने कहा कि मेथनॉल के मिश्रण से ईंधन की बढ़ती कीमतों से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, ''एम15 को प्रायोगिक तौर पर जारी करना ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर होने की दिशा में एक अहम कदम है, इससे आयात का बोझ भी घटेगा।'' एक आधिकारिक वक्तव्य में मंत्री के हवाले से कहा गया कि ऊर्जा के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आईओसी कदम उठा रही है। इस पहल के लिए तिनसुकिया का चयन यहां मेथनॉल की सुगम उपलब्धता को देखते हुए किया गया जिसका उत्पादन असम पेट्रोकेमिकल लिमिटेड करती है।

हुंदै मोटर इंडिया की अप्रैल में कुल बिक्री पांच प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया ने रविवार को कहा कि अप्रैल 2022 में उसकी कुल बिक्री पांच फीसदी घटकर 56 इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 59,203 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बयान में कहा कि अप्रैल 2021 की 49,002 इकाई की तुलना में घरेलू बिक्री भी 10 फीसदी घटकर 44,001 इकाई रही। कंपनी ने कहा कि उसका आयात बढ़कर 12,200 इकाई हो गया जो पिछले वर्ष अप्रैल में 10,201 इकाई था।

जीएसटी कलेक्शन का नया रिकॉर्ड : अप्रैल में सरकार को 1.67 लाख करोड़ की कमाई, यह पिछले साल से 20 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली

भारत ने ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन में नया रिकॉर्ड बनाया है। अप्रैल 2022 में ग्रॉस जीएसटी रेवेन्यू 1,67,540 करोड़ रुपए रहा। इसमें ष्जीएसटी 33,159 करोड़ रुपए, स्जीएसटी 41,793 करोड़ रुपए, इजीएसटी 81,939 करोड़ रुपए और सेस 10,649 करोड़ रुपए है। इससे पहले मार्च में जीएसटी कलेक्शन 1,42,095 करोड़ रुपए रहा था। अप्रैल 2021 की बात करें तो तब 1,39,708 करोड़ का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। यानी सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में 20 फीसदी बढ़ोतरी हुई है।

पहली बार 1.5 लाख करोड़ से ज्यादा का जीएसटी कलेक्शन:- ऐसा पहली बार हुआ है जब जीएसटी कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ रुपए से ऊपर निकला है। इससे पहले मार्च में जीएसटी कलेक्शन 1,42,095 करोड़ रुपए रहा था, जो इससे पहले किसी भी महीने का सबसे ज्यादा में जीएसटी कलेक्शन था।

जीएसटी कलेक्शन में ये राज्य रहे सबसे अव्वल

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन के लिहाज से टॉप-5 राज्यों में महाराष्ट्र सबसे ऊपर है। अप्रैल 2022 में महाराष्ट्र में जीएसटी कलेक्शन पिछले साल की तुलना में 35 फीसदी बढ़कर 27 हजार 495 करोड़ रुपए रहा ,जो पिछले साल 22 हजार 13 करोड़ रुपए रहा था। लिस्ट में कर्नाटक और गुजरात दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

महंगाई का जीएसटी के साथ कनेक्शन:- अगर महंगाई और जीएसटी कलेक्शन की बात करें तो जिस महीने में जीएसटी कलेक्शन बढ़ा है उस महीने में थोक महंगाई भी बढ़ी है। मार्च 2022 में जीएसटी कलेक्शन ने नया रिकॉर्ड बनाया था। तक WPI भी 14.55 फीसदी रही थी। ऐसा इसीलिए होता है क्योंकि जब किसी चीज की कीमत बढ़ती है तो उस पर लगने वाला टैक्स भी बढ़ जाता है। मान लीजिए सीमेंट की एक बोरी की कीमत मार्च में 300 रुपए प्रति बोरी है तो इस पर 28 फीसदी जीएसटी के हिसाब से 84 रुपए टैक्स लगेगा। वहीं अप्रैल में इसकी कीमत 320 रुपए पर पहुंच जाती है। तक इस पर 90 रुपए टैक्स लगेगा। इससे साफ है कि महंगाई बढ़ने से जीएसटी कलेक्शन भी बढ़ता है। हालांकि मांग में कमी आने पर जीएसटी कलेक्शन में भी कमी आ सकती है।

देश में गहराया बिजली संकट

हफ्ते में 3 बार पीक पावर सप्लाई का रिकॉर्ड फिर भी पावर शॉर्टेज 10.77 गीगावॉट पर पहुंची

नई दिल्ली

देश इस समय बिजली संकट से जूझ रहा है। पीक पावर शॉर्टेज इस हफ्ते काफी तेजी से बढ़ी है। सोमवार को 5.24 गीगावॉट (गीगावॉट) के सिंगल डिजिट से गुरुवार को यह 10.77 गीगावॉट के डबल डिजिट में पहुंच गई। इस कमी की वजह पावर जनरेशन प्लांट में कोयले की कमी, हीटवेव और कुछ अन्य चीजें है।

नेशनल ग्रिड ऑपरेटर, पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉर्पोरेशन के नए डेटा से पता चलता कि रविवार को पीक पावर शॉर्टेज 2.64 गीगावॉट थी, जो सोमवार को बढ़कर 5.24 तब्ध्, मंगलवार को 8.22 GW, बुधवार को 10.29 गीगावॉट और गुरूवार को 10.77 गीगावॉट हो गई। शुक्रवार को यह 8.12गीगावॉट रही।

रविवार- 2.64 GW
सोमवार- 5.24 GW
मंगलवार- 8.22 GW
बुधवार- 10.29 GW
गुरूवार- 10.77 GW
शुक्रवार- 8.12GW रही

पीक पावर सप्लाई ने तीन बार रिकॉर्ड बनाया

दिलचस्प बात यह है कि देश भर में तेज गर्मी के बीच इस हफ्ते में पीक पावर सप्लाई तीन बार रिकॉर्ड लेवल तक पहुंची। पीक पावर सप्लाई ने मंगलवार को रिकॉर्ड 201.65गीगावॉट के लेवल को छुआ। इसके बाद गुरुवार को 204.65 गीगावॉट का नया रिकॉर्ड बनाया और शुक्रवार को 207.11 गीगावॉट के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई। बुधवार को यह 200.65गीगावॉट थी और सोमवार को 199.34 गीगावॉट। पिछले साल 7 जुलाई को पीक पावर सप्लाई 200.53 गीगावॉट रही थी।

डिमांड में तेजी से गहराया बिजली संकट

एक्सपर्ट्स ने कहा कि डेटा साफ तौर पर दिखाता है कि डिमांड में तेजी आई है और बिजली की कमी ने संकट को और गहरा कर दिया है। उनका कहना है कि केंद्र और राज्य सरकारों के नेतृत्व में सभी स्टेकहोल्डर्स को थर्मल प्लांटों में कम कोयले के स्टॉक, प्रोजेक्ट पर रेक की समय पर अनलोडिंग, रेक की उपलब्धता जैसे इश्यू से मजबूती से निपटने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अभी यह हाल है तो आने वाले दिनों में क्या होगा।

नॉन-पिटहेड थर्मल प्लांट में कोयले की कमी

नए डेटा से ये भी पता चलता है कि 164 गीगावॉट से ज्यादा की टोटल कैपेसिटी वाले 147 नॉन-पिटहेड थर्मल प्लांट में कोयले का स्टॉक 28 अप्रैल 2022 को मानक स्तर का 24 फीसदी था। इन प्लांट्स में गुरुवार को कोयले का स्टॉक 57,236 हजार टन के मानक के मुकाबले 13,755 हजार टन था। नॉन पिटहेड प्लांट कोयला खदानों से सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित हैं और ड्राय फ्यूल स्टॉक को बनाए रखना आवश्यक है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 102 रुपए महंगा हुआ, दिल्ली में कीमत 2355 रुपए पर पहुंची

नई दिल्ली

महीने के पहले दिन यानी 1 मई को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 102 रुपए महंगी हो गई है। राजधानी दिल्ली में अब नए सिलेंडर की कीमत 2355 रुपए होगी। हालांकि, घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। इससे पहले कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 1 अप्रैल को बढ़े थे। तक इसकी कीमत में 250 रुपए का इजाफा किया गया था।

19 किग्रा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमतें

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार 19 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर आज राजधानी दिल्ली खरीदने पर आपको 2355.50 रुपए देने होंगे। 30 अप्रैल तक इसकी कीमत 2253 रुपए थी। वहीं, कोलकाता में पहले 2351 रुपए में मिल रहा था अब 2455 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। मुंबई में 2205 रुपए की जगह आज से 2307 रुपए देने होंगे। वहीं तमिलनाडु के चेन्नई में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 2406 रुपए से बढ़कर अब 2508 रुपए हो गई है।

जेट फ्यूल भी हुआ महंगा

एक मई से जेट फ्यूल की कीमतों में भी इजाफा हुआ हे। दिल्ली में एयर टरबाइन फ्यूल की कीमत 116851.46 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं कोलकाता में इसके दाम 121430.48 हो गया। मुंबई की बात करें तो यहां पर 115617.24 रुपए और चेन्नई में 120728.03 रुपए प्रति लीटर है। हालांकि आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वित्त वर्ष 2021-22 रिजल्ट:दो साल बाद फायदे में आया यस बैंक, 1066 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ

नई दिल्ली

यस बैंक लगातार दो वित्त वर्ष भारी घाटे के बाद अब मुनाफे में आ गया है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक को 1066 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। बैंक को वित्त वर्ष 2021-22 में 1066 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ। 2018-19 के बाद पहली बार एक वित्त वर्ष में बैंक को मुनाफा हुआ है।

इससे पहले लगातार 2 वित्त वर्ष हुआ भारी घाटा:- इससे पहले पहले की बात करें तो वित्त वर्ष 2020-21 में 3462 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2019-20 में 22715 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ था। मार्च 2022 तिमाही की बात करें बैंक को 367 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ जबकि एक साल पहले की समान अवधि में 3,788 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ था।

टोटल इनकम सालाना आधार पर इनकम घटी:- मार्च तिमाही में बैंक की कुल आय सालाना आधार पर 4,678.59 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,829.22 करोड़ रुपए हो गया। पूरे साल की बात करें वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक की टोटल इनकम सालाना आधार पर 23,053.53 करोड़ रुपए से गिरकर 22,285.98 करोड़ रुपए पर आ गई। बैंक का ग्रॉस एनपीए एक साल पहले 15.4 फीसदी से सुधरकर 13.9त्न पर आ गया। नेट एनपीए/बैड लोन 5.9 फीसदी से गिरकर 4.5 फीसदी रह गया।

आईपीओ में यूपीआई से लगा सकेंगे 5 लाख रुपए, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर लगेगा टोल

नई दिल्ली

1 मई से महंगाई का झटका लगा है। 1 मई को तेल कंपनियां कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 102 रुपए बढ़ाई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गाजीपुर तक जाने वाले 340 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स देना होगा। नए महीने से आपको कुछ नई सुविधाएं मिलेंगी तो वहीं आपकी जेब पर महंगाई की मार भी पड़ सकती है। हम आपको इन्ही के बारे में बता रहे हैं।

आईपीओ में यूपीआई से भुगतान की लिमिट बढ़ेगी

आईपीओ में निवेश करने वाले रिटेल निवेशक यूपीआई के जरिए 5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकेंगे। अभी आईपीओ में यूपीआई के जरिए 2 लाख रुपए तक लगाए जा सकते हैं, लेकिन 1 मई से इसकी सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया जाएगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर देना होगा टोल टैक्स

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गाजीपुर तक जाने वाले 340 किलोमीटर लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सरकार ने 1 मई से टोल टैक्स वसूलने की इजाजत दे दी है। यानी अब इस एक्सप्रेस-वे पर आपका सफर महंगा होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स वसूली की दर 2.45 रुपए प्रति किलोमीटर हो सकती है।

गैस सिलेंडर हुआ महंगा

19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 102 रुपए महंगी हो गई है। राजधानी दिल्ली में अब नए सिलेंडर की कीमत 2355 रुपए होगी। हालांकि, घरेलू सिलेंडरों की कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। इससे पहले कॉमर्शियल सिलेंडरों के दाम 1 अप्रैल को बढ़े थे। तक इसकी कीमत में 250 रुपए का इजाफा किया गया था।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)